संस्करण : भोपाल
वर्ष : 01
अंक : 166
पृष्ठ : 08
मूल्य : 1.00
बुधवार 16 सितम्बर 2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रातःकालीन संस्करण

सच से रूबरू

Website:www.pratahkalexpress.in | E-mail :pratahkalexpress@gmail.com | facebook.com/pratahkalexpressnews | https://twitter.com/ratahkalexpress1

देश के कई राज्यों में बारिश बनी आफत

● 500 तीर्थयात्री फंसे ● यूपी-राजस्थान समेत 5 राज्यों में बारिश का अलर्ट

● बिहार में 5 नदियां खतरे के निशान के ऊपर

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तराखंड में केदारनाथ पैदल मार्ग पर चीरबासा के पास पहाड़ी से लगातार पत्थर गिरने के कारण केदारनाथ यात्रा तीसरे दिन भी बंद है। सुरक्षा बलों के जवानों ने करीब 7 हजार यात्रियों को सुरक्षित निकालकर गौरीकुंड की ओर भेज दिया है। फिलहाल 500 से ज्यादा लोग फंसे हुए हैं।

केदारनाथ धाम के लिए आज से हेलीसेवाएं शुरू हो गई हैं, हालांकि पैदल यात्रा अभी भी रोकी गई है। वहीं, बिहार में 15 जिलों में 49.67 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। राज्य की 5 नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के 22 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने यूपी के 72 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। राजस्थान में 17 सितंबर तक बारिश का अलर्ट जारी किया है। हिमाचल प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। हरियाणा के 8 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। पंजाब के 18 जिलों में आज बारिश की संभावना है।

सिक्किम में लैंडस्लाइड के बाद 128 लोगों को सुरक्षित जगह भेजा गया

सिक्किम के ग्यालशिंग जिले के रिंबी इलाके में भारी बारिश और लैंडस्लाइड के बाद 28 घरों के 128 लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाया गया है। सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक, भारी बारिश और बाढ़ के बाद इलाके का दोबारा जायजा लिया गया। इसके बाद लोगों को रिंबी ग्राम पंचायत केंद्र में शिफ्ट किया गया। सिंगलिटाम में सात प्रभावित परिवारों के लिए राहत केंद्र बनाया गया है। यहां 33 से ज्यादा लोग रह रहे हैं, जिनमें बुजुर्ग और बच्चे भी शामिल हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन चूक

एअर इंडिया सीईआ को समन

सरकार ने जवाब मांगा, 3 इटेलियन बिना जांच के देश से निकले थे

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने एअर इंडिया के सीईओ तेवोल्डे गेब्रेमारियम को दिल्ली एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन चूक के मामले में मंगलवार को समन भेजकर जवाब तलब किया है। यह मामला तीन इटेलियन पैसेंजर्स से जुड़ा है।

ये तीनों पैसेंजर्स 4 सितंबर को अमृतसर से दिल्ली आए थे और उसके बाद दिल्ली से म्यूनिख के लिए लुफ्थांसा की फ्लाइट ली थी। यात्रियों को इमिग्रेशन की तय प्रक्रिया पूरी करनी थी, लेकिन वे इमिग्रेशन चेकपॉइंट तक नहीं गए और बिना जांच के अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट में सवार हो गए। हालांकि, इस घटना पर एअर इंडिया की ओर से कोई बयान नहीं आया है।

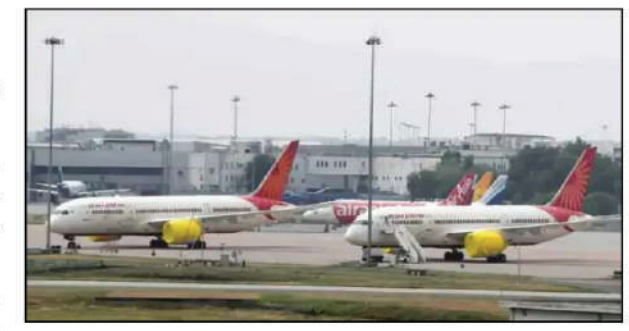

मंत्रालय ने पूछा- बिना इमिग्रेशन क्लियरेंस कैसे रवाना हुए विदेशी

नागरिक उड्डयन मंत्रालय (MoCA) ने इस घटना को सुरक्षा और इमिग्रेशन से जुड़ी गंभीर चूक माना है। मंत्रालय ने एअर इंडिया को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा है कि तीनों विदेशी नागरिक बिना जरूरी इमिग्रेशन प्रक्रिया पूरी किए एयरपोर्ट से कैसे रवाना हो गए। एयरलाइन से घटना की पूरी परिस्थितियों और जिम्मेदारी तय करने को लेकर भी स्पष्टीकरण मांगा गया है। अब एअर इंडिया को मंत्रालय के नोटिस का जवाब देना होगा। जवाब मिलने के बाद मंत्रालय मामले की समीक्षा करेगा और जरूरत के अनुसार आगे की कार्रवाई तय की जा सकती है।

बंगाल उपचुनाव: सीएम शुभेंदु के पीए की मां को नंदीग्राम से टिकट

● रेजीनगर से भाजपा ने शाखारव सरकार मैदान में उतारा

एजेंसी

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल में दो विधानसभा सीटों पर चुनाव होने वाले हैं। इसमें रेजीनगर और नंदीग्राम शामिल हैं। भाजपा ने रेजिनगर से शाखारव सरकार और नंदीग्राम से हासिरानी रथ को उम्मीदवार बनाया है। हासिरानी रथ शुभेंदु अधिकारी के पीए रहे चंद्रनाथ रथ की मां हैं। बता दें कि चंद्रनाथ रथ की मई में हत्या कर दी गई थी। सक्रिय राजनीतिक संगठनात्मक ढांचे में आने से पहले रथ ने रहरा राम कृष्ण मिशन से अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद भारतीय वायुसेना में लगभग दो दशक बिताए थे। परिवार के करीबी लोगों का कहना है कि उन्होंने एक बार आध्यात्मिक जीवन पर विचार किया था और छात्र जीवन के दौरान रामकृष्ण मिशन के सिद्धांतों से वे काफी प्रभावित थे।

टीएमसी ने किसे मैदान में उतारा?

ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस के बागी गुट ने सोमवार को अपने उम्मीदवार का एलान किया। टीएमसी ने नंदीग्राम सीट से मोहम्मद एतेशामुल हक को उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि मुर्शिदाबाद की रेजीनगर सीट से सफीउद्दीन शेख चुनाव लड़ेंगे। दोनों नामों के एलान के साथ ही इन दोनों सीटों पर टीएमसी के दो गुट आमने-सामने आ गए हैं। यह मुकाबला इसलिए भी अहम है क्योंकि 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में टीएमसी की हार के बाद पार्टी में विभाजन हुआ था। इसके बाद यह बागी गुट का पहला बड़ा चुनावी मुकाबला है।

बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा होगी मजबूत

● मेटा ने भारतीय एजेंसियों को सीधे जानकारी देने पर सहमति जताई

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत सरकार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हानिकारक जानकारी पर रोक लगाने के लिए लगातार काम कर रही है। बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के भारत में काम करने के लिए एक मौलिक सिद्धांत है और यह गैर-समझौता योग्य है। इसी दिशा में मेटा ने बाल सुरक्षा से संबंधित मामलों को संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों को रिपोर्ट करने पर सहमति जताई है। यह प्लेटफॉर्म को बच्चों के लिए सुरक्षित बनाने की दिशा में पहला कदम है और अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

सरकार अन्य प्लेटफॉर्म के साथ भी लगातार संपर्क में है ताकि ऐसी सामग्री की सक्रिय रूप से पहचान की जा सके और उसे हटाया जा सके। सरकार ने साफ कहा है कि जो प्लेटफॉर्म बच्चों की सुरक्षा के लिए सक्रिय कदम नहीं उठाएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

इससे पहले 18 अगस्त को प्रौद्योगिकी मंत्रालय और मेटा के बीच हुई चर्चाओं का मुख्य फोकस उन अवैध सामग्रियों के

कंपनी ऐसे मामलों की पहचान, हटाने और पुनः अपलोड को रोकने के लिए अपनी प्रणालियों को और मजबूत कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया था कि कंपनी उन मामलों पर भी काम कर रही है।

एक रिपोर्ट में कहा गया था कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और मेटा के बीच हुई चर्चाओं का मुख्य फोकस उन अवैध सामग्रियों के प्रबंधन पर रहा है जिन्हें एक बार हटाए जाने के बाद फिर से प्लेटफॉर्म पर साझा किया जाता है।

सरकार का मानना है कि केवल सामग्री हटाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके दोबारा प्रसार को भी रोकना आवश्यक है। मेटा ने इस दिशा में कई कदम उठाने शुरू किए हैं और कंपनी विशेष रूप से सतर्क है, क्योंकि बाल यौन शोषण सामग्री भारतीय कानून के तहत गंभीर अपराध की श्रेणी में आती है।

राष्ट्रपति ने 'नुआखाई' के मौके पर देशवासियों को बधाई दी

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को खेती-बाड़ी से जुड़े सामुदायिक त्योहार 'नुआखाई' के मौके पर देशवासियों को बधाई दी। राष्ट्रपति मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि मैं खेती-बाड़ी से जुड़े सामुदायिक त्योहार 'नुआखाई' के मौके पर देशवासियों और ओडिशा के लोगों को दिल से बधाई देती हूं। नुआखाई सिर्फ़ एक पारंपरिक त्योहार ही नहीं है यह सामुदायिक भोज और दोस्तों के साथ सामाजिक और पारिवारिक आत्मीय मिलन का प्रतीक भी है। मेरा मानना है कि इस त्योहार से आपसी सद्भाव और भाईचारा और मजबूत होगा। इस अवसर पर सभी के लिए खुशी, शांति और समृद्धि की कामना करती हूं।उल्लेखनीय है कि, नुआखाई ओडिशा, छत्तीसगढ़ और झारखंड के कुछ हिस्सों में मनाया जाने वाला एक प्रमुख कृषि और सामुदायिक त्योहार है, जो नई फसल (विशेषकर नए चावल) के स्वागत और ईश्वर के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए मनाया जाता है।

राजस्थान निकाय चुनावों में बसपा को मिली 19 सीटें

मायावती ने पार्टी कार्यकर्ताओं को दी बधाई

एजेंसी

मुंबई । राजस्थान में हुए निकाय चुनाव में 19 सीटों पर बहुजन समाज पार्टी के पार्षदों ने जीत हासिल की है।

इस पर बसपा प्रमुख मायावती ने खुशी जाहिर की है और पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को बधाई दी। साथ ही, चुनाव परिणामों में धांधली का आरोप भी लगाया है।

बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'राजस्थान में हुए निकाय चुनाव में बीएसपी ने भी इस बार 19 सीटों पर अपने पार्षद जिताकर भेजे हैं और काफी उम्मीदवार सरकारी मशीनरी की गड़बड़ी की वजह से दोबारा गिनती में जबरदस्ती थोड़े-थोड़े वोटों के अन्तर से हरा दिये गये हैं, वरना पार्टी का यहां और भी अच्छा रिजल्ट आ सकता था। इसके लिए पार्टी ने बीएसपी के सभी छोटे-बड़े पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें दी हैं। '

पंजाब और अन्य बाकी चुनावों का भी मायावती ने किया जिक्र

मायावती ने इस दौरान राजस्थान के साथ-साथ हाल के दिनों में पंजाब सहित देश के दूसरे राज्यों में हुए स्थानीय निकाय चुनावों का भी जिक्र किया। उन्होंने आगे कहा, 'हालांकि, इससे पहले पंजाब सहित देश के कुछ और राज्यों में भी जो स्थानीय निकाय के चुनाव हुए हैं, तो वहां भी पार्टी का पहले से अच्छा नतीजा आया है और वे भी बधाई के पात्र हैं।' मायावती ने उम्मीद जाहिर करते हुए कहा, 'अब वहां आगे होने वाले विधानसभा चुनाव में व देश में लोकसभा आम चुनाव में भी वे सभी लोग अपनी पार्टी का बेहतर रिजल्ट जरूर लायेंगे।'

'मनुष्य को ऐसे कर्म करने चाहिए जो हृदय में प्रेम, सौहार्द्र और सद्भाव को बढ़ाएं'

● प्रधानमंत्री मोदी ने साझा किया सुभाषित

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सामाजिक सौहार्द और मानवीय मूल्यों का संदेश देते हुए सोशल मीडिया पर सुभाषित शेयर किया है। इस वैदिक मंत्र के माध्यम से उन्होंने प्रेम, सद्भाव और आपसी भाईचारे की भावना को मजबूत करने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाज में ऐसे कर्म होने चाहिए जो लोगों के हृदयों को जोड़ें और परस्पर स्नेह को बढ़ावा दें। पीएम की ओर से सोशल मीडिया पर, 'सहृदयं सांमनस्यमविद्वेषं कृणोमि वः। अन्यो अन्यमभि हर्यत वत्सं जातमिवाघ्न्या॥ मंत्र शेयर किया गया है। जिसका हिंदी अर्थ है कि मनुष्य को ऐसे कर्म करने चाहिए जो हृदय में प्रेम, सौहार्द और सद्भाव को बढ़ाएं। सभी को एक-दूसरे के प्रति उसी प्रकार से स्नेह और आत्मीयता रखनी चाहिए, जिस प्रकार गाय अपने नवजात बछड़े से प्रेम करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर यह वैदिक मंत्र अथर्ववेद के तीसरे कांड के 30वें सूक्त का पहला मंत्र है। इस मंत्र के माध्यम से ईश्वर कहते हैं, 'हे मनुष्यो! मैं तुम्हारे बीच ऐसे वचनों और कर्मों की स्थापना करता हूं जिससे तुम सहृदय (एक जैसा हृदय रखने वाले), सांमनस्य (समान मन वाले), और अविद्वेष (द्वेष या ईर्ष्या से रहित) बनो। तुम एक-दूसरे से इस प्रकार प्रेम करो, जैसे कोई गाय अपने नवजात बछड़े से अगाध स्नेह करती है।' यह मंत्र परिवार, समाज और राष्ट्र के लोगों के बीच मतभेद मिटाकर एक सूत्र में बंधने की प्रेरणा देता है। गाय और बछड़े के उदाहरण से समझाया गया है कि जैसे गाय बिना किसी स्वार्थ और शर्त के बछड़े से प्रेम करती है, वैसे ही मनुष्यों को भी एक-दूसरे से प्रेम करना चाहिए।

● बेलगावी में भीषण अग्निकांड

एक ही परिवार के चार लोगों की जिंदा जलकर मौत

एजेंसी

बेलागावी । कर्नाटक के बेलगावी शहर में सोमवार देर रात अग्निकांड में एक ही परिवार के चार सदस्यों की जिंदा जलकर मौत हो गई। हादसे में दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना शहर के चवहत गली इलाके की है और मार्केट पुलिस स्टेशन क्षेत्र में हुई। जानकारी के अनुसार, परिवार के सदस्य रात के समय घर के अंदर मौजूद थे। इसी दौरान घर में रखे फ्रिज में अचानक धमाका हुआ। धमाके के बाद फ्रिज में आग लग गई और देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि घर के अंदर मौजूद लोगों को बाहर निकलने का पर्याप्त मौका नहीं मिल सका। कई लोग आग के बीच फंस गए और उनकी मौके पर ही झुलसकर

मौत हो गई। हादसे में मरने वालों की पहचान गजानन डमोने (65), रोशन डमोने (21), शारदा डमोने (45) और भारती राडमोने (50) के रूप में हुई है। वहीं प्रिया डमोने (28) और गंगा डमोने (25) आग की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गईं। दोनों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाने के बाद घर के अंदर तलाशी ली गई, जिसमें चार लोगों के शव बरामद हुए। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि मृतक परिवार दिहाड़ी मजदूरी करके अपना जीवन-यापन करता था। हादसे के बाद परिवार और आसपास के इलाके में मातम पसरा हुआ है। खास तौर पर गणेश चतुर्थी के दिन एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत से इलाके के लोग गमगीन हैं।

● राम जन्मभूमि ट्रस्ट ने कहा-

सीईओ चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और संस्थागत

राम मंदिर ट्रस्ट के महामंत्री स्वामी गोविंद देव गिरिजी महाराज ने प्रेस वक्तव्य जारी किया

एजेंसी

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी की चयन प्रक्रिया के संबंध में ट्रस्ट के महामंत्री स्वामी गोविंद देव गिरिजी महाराज ने सोमवार देर रात प्रेस वक्तव्य जारी किया।

महामंत्री स्वामी गोविंद देव गिरिजी महाराज ने वक्तव्य में लिखा है कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र, न्यास के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के चयन के संबंध में तथ्यों को स्पष्ट करना चाहता है, ताकि कुछ मीडिया के माध्यम से प्रसारित होने वाली गलत जानकारी को संबोधित किया जा सके।

प्रलेखित तथ्यः 1- 06 जुलाई 2026 को खोज समिति का गठन किया गया।

2- खोज समिति को 5,585 आवेदन प्राप्त हुए और तीन शहरों (दिल्ली एनसीआर, पुणे, संबलपुर) में एआई स्क्रीनिंग और मैनुअल विशेषज्ञता दोनों का उपयोग करके बहु-स्तरीय मूल्यांकन किया।

3- 16 प्रत्याशियों को अंतिमवर्तीय के रूप में चुना गया जिन्होंने 11 और 12 अगस्त 2026 को अयोध्या में आमने-सामने की बातचीत में भाग लिया।

4- एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा (सेवानिवृत्त) ने 11 अगस्त 2026 को, पहली पाली में, साक्षात्कार प्रक्रिया में भाग लिया।

5- खोज समिति ने 01 सितंबर 2026 को अपनी अंतिम रिपोर्ट और सिफारिशें न्यास को प्रस्तुत कीं।

6- 02 सितंबर 2026 को न्यास द्वारा अनुशंसित शीर्ष तीन प्रत्याशियों, एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा (सेवानिवृत्त), संजय प्रतापसिंह विश्वास राव, और सुश्री श्रुति भारद्वाज, के नाम सार्वजनिक रूप से मीडिया के समक्ष रखे गए। यह दावा कि एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा 11-12 अगस्त 2026 को साक्षात्कार दौर में शामिल नहीं थे, तथ्यात्मक रूप से गलत है। शीर्ष तीन अनुशंसित प्रत्याशियों में उनका समावेश उनकी भागीदारी, मूल्यांकन और योग्यता-आधारित चयन का दस्तावेजी प्रमाण है।

पूर्वोत्तर में भारतीय रेल का भूटान, नेपाल और बांग्लादेश से होगा सीधा संपर्क, सुरक्षा को लेकर एआई की उपयोग

एजेंसी

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर राज्यों में रेलवे तेजी से विकास कर रहा है। रेलवे लाइनें बिछाई जा रही हैं। नए स्टेशन बनाए जा रहे हैं। वहीं सुरक्षा की दृष्टि से एआई का इस्तमाल भी शुरू किया जा रहा है। भारत की सीमा से जुड़े राष्ट्रों भूटान, नेपाल और बांग्लादेश में भी भारतीय रेल की पहुंच स्थापित हो रही है। पूर्वोत्तर रीजन में भारतीय रेल 70 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाओं को मूर्त रूप देने में जुटा है। 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के अंतर्गत पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) लखनऊ द्वारा उत्तर प्रदेश के पत्रकारों का एक दल रविवार से पूर्वोत्तर भ्रमण पर है। सोमवार को पत्रकारों के इस दल ने मालीगांव स्थितभारतीय रेलवे के अंतर्गत पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) हेड क्वार्टर का भ्रमण किया। पूर्वोत्तर राज्यों में पिछले 12 वर्षों में रेलवे के बुनियादी ढांचे का अभूतपूर्व विकास हुआ है। वर्ष 2014 से पहले इस क्षेत्र में विद्युतीकरण शून्य था, लेकिन अब यह शत-प्रतिशत पूरा होने के करीब है। रेलवे ने 2029 तक पूर्वोत्तर के सभी राज्यों की राजधानियों को मुख्य रेल नेटवर्क से जोड़ने और पड़ोसी देशों के साथ रेल संपर्क (कनेक्टिविटी) को मजबूत करने का बड़ा लक्ष्य रखा है।

युवाओं को नशे से बचाने के लिए योगी सरकार का सख्त संदेश-'वीडियो सामने आते ही एक्शन'

लखनऊ। युवाओं और नाबालिगों को नशे की चपेट में आने से बचाने के लिए योगी सरकार लगातार सख्त कदम उठा रही है। सरकार की नीति केवल अवैध और जहरीली शराब पर अंकुश लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि कम उम्र के बच्चों तक शराब की पहुंच रोकने पर भी विशेष जोर है। लखनऊ में नाबालिग को शराब बेचने से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आते ही आबकारी विभाग ने त्वरित कार्रवाई कर यह संदेश साफ कर दिया कि नियमों से खिलवाड़ किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं होगा। सोशल मीडिया एक्स और अन्य प्लेटफॉर्म पर वीडियो प्रसारित होने के बाद सरकार ने इस मामले का संज्ञान लिया और संबंधित के खिलाफ जांच कर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। जिला आबकारी अधिकारी, लखनऊ ने 11 सितंबर को वीडियो की जांच कराई। जांच में वीडियो विकासनगर थाना क्षेत्र के शुभौली स्थित एक कम्पोजिट दुकान के सेल्समैन की एक व्यक्ति से कहासुनी का पाया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में गोवंश संरक्षण को मिल रहा बढ़ावा

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा निराश्रित एवं बेसहारा गोवंश के संरक्षण के साथ ही उनके बेहतर पालन-पोषण के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में सीएम सहभागिता योजना के माध्यम से निराश्रित गोवंश को इच्छुक एवं पात्र लाभार्थियों को सुपुर्द कर उनका संरक्षण और देखभाल सुनिश्चित किया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव श्री मुकेश मेश्राम ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत अब तक 93,287 लाभार्थियों को 1,67,658 गोवंश सुपुर्द किए जा चुके हैं। इसके माध्यम से बड़ी संख्या में निराश्रित गोवंश को सुरक्षित एवं बेहतर आश्रय उपलब्ध हुआ है। साथ ही ग्रामीण परिवारों को गोवंश के पालन-पोषण से जोड़कर उनकी आजीविका को मजबूत करने का भी प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर निराश्रित गोवंश की समस्या को कम करने के साथ-साथ गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन को जनसहभागिता से प्रभावी बनाया जा रहा है। सीएम सहभागिता योजना इसी दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना के तहत लाभार्थियों द्वारा सुपुर्द किए गए गोवंश की देखभाल, चारा-पानी एवं संरक्षण की जिम्मेदारी ली जाती है।

जापानी प्रतिनिधिमंडल ने देखा सिरपुर की प्राचीन विरासत का वैभव

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पुरातात्विक विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने जापान के मत्सुयामा स्थित एहिमे यूनिवर्सिटी के 17 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के लिए विशेष हेरिटेज टूर आयोजित किया। एनआईटी रायपुर द्वारा 12 से 14 सितंबर 2026 तक आयोजित अकादमिक एवं शोध सहयोग कार्यक्रम के तहत भारत आए जापानी दल ने 14 सितंबर को प्राचीन ऐतिहासिक नगरी सिरपुर का भ्रमण किया। प्रतिनिधिमंडल ने सिरपुर में बौद्ध, हिंदू और जैन संस्कृति के अद्भुत समन्वय तथा प्राचीन स्थापत्य कला को करीब से जाना। स्थानीय विशेषज्ञ गाइड के माध्यम से दल को सिरपुर की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, पुरातात्विक महत्व और धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत की जानकारी दी गई।

● आईसीडब्ल्यूए की सिल्वर जुबली पर जयशंकर बोले-

भारत अब वैश्विक चुनौतियों पर आत्मविश्वास से रख रहा विचार

एजेंसी

नई दिल्ली । नई दिल्ली के मंडी हाउस स्थित विवेक ऑडिटोरियम में मंगलवार को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के तौर पर 'इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स' की सिल्वर जुबली (25वीं वर्षगांठ) का जश्न मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और विदेश सचिव विक्रम मिस्री मौजूद रहे। इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स की सिल्वर जुबली कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि आज यहां उपस्थित होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है क्योंकि हम इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स (आईसीडब्ल्यूए) को राष्ट्रीय

महत्व की संस्था का दर्जा मिलने के 25 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। इस दौरान जयशंकर ने आईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष के रूप में समारोह में उपस्थित होने के लिए उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि 1943 में अपनी स्थापना के बाद से आईसीडब्ल्यूए अंतरराष्ट्रीय मामलों के अध्ययन और उनके प्रचार-प्रसार के लिए लगातार काम करता रहा है। वर्ष 2001 में संसद ने इसे राष्ट्रीय महत्व की संस्था का दर्जा दिया, जो दुनिया से जुड़े मुद्दों पर भारत की बौद्धिक भागीदारी में इसके विशेष योगदान की पहचान थी। उन्होंने कहा कि अब 25 साल बाद, यह वर्षगांठ सिर्फ उसकी यात्रा को याद करने का मौका नहीं है, बल्कि यह सोचने का भी अवसर है कि आने वाले वर्षों में आईसीडब्ल्यूए की क्या भूमिका हो सकती है। यह सवाल आज इसलिए और भी महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि भारत बदल चुका है और दुनिया भी पहले जैसी नहीं रही। उन्होंने कहा कि आज भारत पहले की तुलना में दुनिया के कहीं अधिक देशों और क्षेत्रों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है। हमारे राष्ट्रीय हित अब पहले से ज्यादा वैश्विक हो गए हैं। हमारी जिम्मेदारियां बढ़ी हैं और दुनिया की भारत से अपेक्षाएं भी उसी अनुपात में बढ़ी हैं। भारत अब वैश्विक चुनौतियों पर अपने विचार पहले की तुलना में कहीं अधिक आत्मविश्वास के साथ सामने रख रहा है, खासकर उन मुद्दों पर जो पूरी मानवता को प्रभावित करते हैं। जैसे-जैसे दुनिया में भारत की भूमिका बढ़ रही है, वैसे-वैसे अंतरराष्ट्रीय मामलों को लेकर हमारी बौद्धिक समझ और भागीदारी को भी उसी गति से आगे बढ़ना होगा। जयशंकर ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर जो पारंपरिक सोच और चर्चा लंबे समय से चलती रही है, वह काफी हद तक दूसरे देशों के अनुभवों और वहां विकसित हुए विचारों पर आधारित रही है।

जैसलमेर के पोकरण में वायु सेना के ड्रोनथॉन-2026 का आगाज

जैसलमेर। भारतीय वायु सेना ने सोमवार को जैसलमेर के पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में ड्रोनथॉन-2026 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर वायु सेना के उप प्रमुख एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित सहित रक्षा मंत्रालय, रक्षा मुख्यालय, भारतीय सेना और सीमा सुरक्षा बल के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।14 से 16 सितंबर तक चलने वाले तीन दिवसीय ड्रोनथॉन में देश के मानवरहित प्रणाली क्षेत्र की 20 से अधिक प्रमुख रक्षा कंपनियां, स्टार्टअप, लघु एवं मध्यम उद्यम, घरेलू आपूर्तिकर्ता और नवप्रवर्तक हिस्सा ले रहे हैं। आयोजन का उद्देश्य वास्तविक परिचालन परिस्थितियों में मानवरहित प्रणालियों की क्षमताओं और उनकी विश्वसनीयता का आकलन करना तथा उद्योग के साथ सीधे जुड़ाव को बढ़ावा देना है।

अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस पर 'भारतीय युवा संसद' का 31 वाँ अधिवेशन आयोजित

'लोकतंत्र संवाद से सम्पन्न होता है'

एजेंसी

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि सबके लिए न्याय, शांति, विकास और मानवाधिकारों के प्रति समर्पित होकर कार्य करना ही लोकतंत्र का सबसे बड़ा आधार है। लोकतंत्र का अर्थ ही है, विकास में सभी नागरिकों की समान भागीदारी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र संवाद से सम्पन्न होता है। संवाद से सुसंवाद और सुसंवाद से मैत्री के रास्ते निकलते हैं। उन्होंने भारत को विश्व का सबसे युवा राष्ट्र बताते हुए कहा कि युवा ही भारत की शान है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प में युवाओं को सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। बागडे मंगलवार को इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान में आयोजित 'भारतीय युवा संसद' कार्यक्रम में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करना है तो हमें न्याय नीति से चलना होगा। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे अच्छी बातों को आत्मसात करें, यही जीवन भर काम आएगी। अच्छी बातों को ग्रहण करने से विवेक जागृत होता है। विवेक से ही समाज में प्रतिष्ठा बनती है। राज्यपाल ने कहा कि अंग्रेजों ने 1921 में दिल्ली में 80 लाख व्यय कर हमारे पुराने संसद भवन का निर्माण प्रारंभ किया और छह साल में इसे पूरा किया। इससे पहले अंग्रेज राइटर हाउस, कलकता से सारे आदेश निकलते थे। यह निर्माण सौ साल को ध्यान में रखते हुए किया गया। इसीलिए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सुनियोजित रूप में विचार कर देश के लिए नए संसद भवन का निर्माण करवाया। संसद केवल निर्मित भवन नहीं लोकतंत्र का पवित्र मंदिर है। संविधान वहां का देवता है। यह भावना जिसके मन में रहेगी वह कभी संसद में असंसदीय भाषा का प्रयोग नहीं करेगा। उन्होंने युवाओं को संसदीय लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में कार्य करने पर जोर दिया। बागडे ने कहा कि लोकतंत्र में विश्वास अर्जित करना जरूरी है। विश्वास के साथ लोकतंत्र में समझदारी होना जरूरी है। समझदारी ही सबसे बड़ा सदगुण है। उन्होंने युवाओं को इन सबको आत्मसात करने का आह्वान किया। इससे पहले गुजरात सरकार में राज्य मंत्री रिवाबा जाडेजा ने लोकतंत्र में साझा समझ विकसित किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश को युवा धन की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसी से देश तेजी से आगे बढ़ेगा।

'अयोध्या में इंटरनेशनल राम कथा म्यूजियम का काम तेज'

● 20 गैलरियों के लिए टेंडर 10 अक्टूबर से : नृपेंद्र मिश्रा

एजेंसी

अयोध्या । श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने मंगलवार को अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को लेकर होनी वाली बैठक और अंतर्राष्ट्रीय राम कथा संग्रहालय, नए सीईओ जीतेंद्र मिश्रा के बारे में मीडिया से बात की। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा है कि आज म्यूज़ियम पर भी चर्चा होगी। म्यूज़ियम का सबसे बड़ा काम अब शुरू होने वाला है। हर गैलरी के लिए 10 अक्टूबर से टेंडर जारी किए जाएंगे। कुल 20 गैलरी हैं, गैलरी 1, गैलरी 2, वगैरह। हर गैलरी की थीम तय हो चुकी है और कहानी (स्टोरीलाइन) भी फाइनल हो गई है। उन्होंने कहा कि हमारे डायरेक्टर संजीव कुमार सिंह ने पूरी कहानी तैयार करने में बहुत मेहनत की है। इसके आधार पर अब

इमर्सिव टेक्नोलॉजी, 3डी टेक्नोलॉजी और दूसरी तकनीकों का इस्तेमाल करके वीडियो बनाए जाएंगे। टेक्नोलॉजी के लिए टेंडर, जिसमें ज़रूरी हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर शामिल हैं, 10 अक्टूबर तक जारी होने की उम्मीद है। टेंडर अक्टूबर के आखिर तक फाइनल होने की संभावना है, जिसके बाद गैलरी को पूरा करने में लगभग छह महीने लगेंगे। श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने कहा कि अयोध्या में विकास तो जरूर होगा। राज्य सरकार विकास का काम कर रही है और दूसरी एजेंसियां ??भी इसमें योगदान दे रही हैं। जहां तक मंदिर परिसर की बात है, तो ट्रस्ट अब तय करेगा कि किस तरह का निर्माण किया जाना है। हालांकि, मेरा मानना है कि ये फैसले पूरी तरह से भक्तों की ज़रूरतों और सुविधा पर आधारित होंगे। उन्होंने कहा कि अब हमारा मुख्य ध्यान इंटरनेशनल राम कथा म्यूजियम पर है। मंदिर का निर्माण पूरा हो चुका है। मंदिर परिसर के अंदर और बाहर एक ऑडिटोरियम है, जिसका निर्माण अभी चल रहा है। इसके निर्माण में लगभग तीन से चार महीने की देरी हुई है।

हिमाचल कांग्रेस के मीडिया विभाग में बड़ा फेरबदल

65 पदों पर नियुक्तियां; 5 सीनियर प्रवक्ता और 18 प्रवक्ता बनाए

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने अपने मीडिया विभाग का पुनर्गठन करते हुए कुल 65 नई नियुक्तियां की हैं। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया एवं प्रचार विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा ने सोमवार देर शाम नई टीम की सूची जारी की। नई व्यवस्था के तहत 5 स्टेट सीनियर प्रवक्ता, 18 स्टेट प्रवक्ता के अलावा पब्लिसिटी कोऑर्डिनेटर, मीडिया पैनलिस्ट और रिसर्च कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारियां तय की गई हैं। स्टेट सीनियर प्रवक्ताओं की सूची में विधायक भवानी पठानिया, विधायक केवल पठानिया, विधायक चंदर शेखर, विधायक अनुराधा राणा और विधायक विवेक शर्मा को शामिल किया गया है। वहीं, विधायक अनुराधा राणा को स्टेट सीनियर प्रवक्ता की जिम्मेदारी दी गई है।

18 नेताओं को स्टेट प्रवक्ता की जिम्मेदारी

कांग्रेस ने स्टेट प्रवक्ता के पद पर प्रदीप वर्मा, पुनीत माली, मुकेश शर्मा, संजीव गुलरिया, रुपिंदर ठाकुर, संजीव सैनी, विकास कपूर, सुनील कुमार बरसैन, संजीव गांधी, अक्षय सिंह दढ़वाल, योगेश शर्मा, किरण गुलरिया, पूजा कुमार सांडी, उषा तोमर, सुरेंद्र काकू, अनुज धीमान, प्यारे लाल और धीरेंद्र चौहान को नियुक्त किया है।

पब्लिसिटी टीम में 9 नियुक्तियां

स्टेट पब्लिसिटी कोऑर्डिनेटर के तौर पर पुष्पा कटोच, दिनेश आर्य, गगन रुक्टा, शशि कांत, विवेक सैनी, सतेंद्र पाल नेहरू, जितेंद्र सिंह राणा, अर्पित सिंह राठौर और आशुतोष चौहान को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

स्टेट मीडिया पैनलिस्ट के रूप में विवेक कटोच, नवनीत सूद, भूषण रोहता, इंजीनियर शगुन दत्त, उषा राठौर, विनय मेहता, संजीता चौहान, यासीन बट्ट, आरपी सिंह, शिवानी चौहान और बिंदी कल्याण को शामिल किया गया है।

रिसर्च टीम को भी किया गया मजबूत

कांग्रेस ने रिसर्च विंग में भी नई नियुक्तियां की हैं। स्टेट रिसर्च कोऑर्डिनेटर के तौर पर शैजा कटोच, वैशाली, अभिषेक नेगी, तिलक राज, अमनदीप गौतम, रोहित भोटा, डॉ. राजीव शर्मा, हरि दत्त शर्मा, विकास सिंह ठाकुर, डॉ. रोहित कुमार और साहिल शर्मा को जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा गौरव शर्मा का नाम भी स्टेट मीडिया विभाग से जुड़ी नियुक्तियों में शामिल है। नई मीडिया टीम का मुख्य फोकस कांग्रेस की नीतियों और प्रदेश सरकार के कामकाज को जनता तक प्रभावी तरीके से पहुंचाने के साथ-साथ विपक्ष की ओर से लगाए जाने वाले आरोपों का जवाब देना होगा।

किशाऊ डैम : केंद्र ने मानी हिमाचल की मांग, छह राज्यों के बीच होगा ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन

एजेंसी

नई दिल्ली। करीब छह दशक से लंबित किशाऊ बहुउद्देश्यीय परियोजना को मंगलवार को बड़ी गति मिलने जा रही है। नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में परियोजना को लेकर छह राज्यों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होंगे। बैठक में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल के साथ हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के मुख्यमंत्री मौजूद रहेंगे, जबकि राजस्थान और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली भी इस समझौते के प्रमुख हिस्सेदार हैं। कांग्रेस शासित हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू भी शिमला से दिल्ली रवाना हो चुके हैं और व्यक्तिगत रूप से इस समझौते में शामिल होंगे। हिमाचल सरकार के लिए इस समझौता ज्ञापन को महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है, क्योंकि केंद्र सरकार ने राज्य की प्रमुख मांग स्वीकार करते हुए परियोजना के जल घटक की लागत का 90 फीसदी हिस्सा वहन करने पर सहमति जताई है। इससे हिमाचल पर पड़ने वाला वित्तीय बोझ काफी कम हो जाएगा। किशाऊ परियोजना टौंस नदी पर प्रस्तावित है। परियोजना से करीब 660 मेगावाट बिजली उत्पादन के साथ सिंचाई और पेयजल आपूर्ति की सुविधा विकसित की जानी है।

प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष और रक्षा मंत्री ने 'राष्ट्रीय इंजीनियर दिवस' की दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई नेताओं ने मंगलवार को भारत रत्न डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती पर उन्हें नमन किया और देशवासियों को उनकी स्मृति में मनाए जाने वाले 'राष्ट्रीय इंजीनियर दिवस' की हार्दिक शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, एम. विश्वेश्वरैया को श्रद्धांजलि, जिनकी इंजीनियरिंग की प्रतिभा और राष्ट्र-निर्माण की सोच आज भी प्रेरित करती है। आधुनिक भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले और देश के सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित महान इंजीनियर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन! उनकी स्मृति में मनाए जाने वाले 'इंजीनियर्स डे' (अभियंता दिवस) के अवसर पर राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सभी इंजीनियरों को

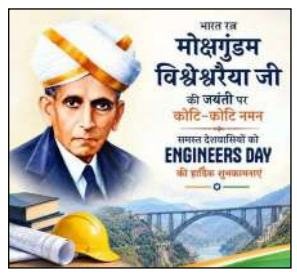

हार्दिक बधाई और अनंत शुभकामनाएं। ये वो लोग हैं जो बेहतर कल के लिए निर्माण करते हैं, नई चीज़ें बनाते हैं और समाधान देते हैं। ओम बिरला ने कहा कि डॉ. विश्वेश्वरैया ने अपनी असाधारण तकनीकी कुशलता, अनुशासन और दूरदर्शिता के माध्यम से भारत के जल संसाधनों, सिंचाई और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि यदि ज्ञान, नवाचार और कर्तव्य-निष्ठा को राष्ट्रहित से जोड़ा जाए, तो असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है। आज का दिन देश के उन लाखों इंजीनियरों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जो अपनी प्रतिभा और नवाचार के माध्यम से भारत के विकास की नई गाथा लिख रहे हैं। आज, जब भारत मजबूत बुनियादी ढांचे, आधुनिक तकनीक, डिजिटल प्रगति, आत्मनिर्भरता और नवाचार के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है, तो हमारे इंजीनियरों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। राजनाथ सिंह ने कहा कि देश के इंजीनियरों की काबिलियत और लगन भारत की तकनीकी प्रगति को आगे बढ़ा रही है, बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रही है और एक 'विकसित भारत' का निर्माण कर रही है एम. विश्वेश्वरैया का जीवन उत्कृष्टता, अनुशासन, इनोवेशन और जन-सेवा का एक बेहतरीन उदाहरण है। भारत के राष्ट्र-निर्माण के सफ़र में उनके असाधारण योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि एम. विश्वेश्वरैया की अद्भुत दूरदर्शिता, अनुशासन और इंजीनियरिंग में उत्कृष्टता आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करती है। उनका जीवन याद दिलाता है कि इंजीनियरिंग का मतलब सिर्फ़ ढाँचे बनाना नहीं बल्कि एक मजबूत, लचीला और आत्मनिर्भर राष्ट्र का निर्माण करना है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भारत रत्न एम. विश्वेश्वरैया की जयंती पर उन्हें सादर नमन किया और 'राष्ट्रीय अभियंता दिवस' पर देश की प्रगति के लिए प्रयासरत सभी इंजीनियरों को हार्दिक बधाई दी।

राजमाता विजयराज कुमारी मेवाड़ का निधन

उदयपुर और पूरे मेवाड़ क्षेत्र में शोक की लहर

एजेंसी

उदयपुर । मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार की सदस्य राजमाता विजयराज कुमारी मेवाड़ के निधन के बाद राजस्थान के उदयपुर और पूरे मेवाड़ क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। सोमवार देर रात लंबी बीमारी के बाद 83 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। उनकी मृत्यु पर उदयपुर, मेवाड़ और मारवाड़ में शोक की लहर दौड़ गई है। भारत और विदेश के प्रशंसक, सामाजिक संगठन और राजनीतिक नेता उनके जीवन और विरासत को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। अपनी गर्मजोशी, गरिमा और जन कल्याण के प्रति समर्पण के लिए याद की जाने वाली राजमाता विजयराज कुमारी ने शिक्षा और सामाजिक सेवा, विशेष रूप से उदयपुर में, महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके निधन से एक ऐसे व्यक्तित्व का युग समाप्त हो गया जो शहर की सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान से घनिष्ठ रूप से जुड़ा रहा। राजमाता विजयराज कुमारी भारत के सबसे प्रतिष्ठित राजपरिवारों में से एक थीं। उनका

जन्म गुजरात के कच्छ के पूर्व राजपरिवार में हुआ था और वे कच्छ के महाराज फतेह सिंह की छोटी पुत्री और कच्छ के महाराव की पोती थीं। विवाह के बाद, वे मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार की सदस्य बनीं और स्वर्गीय अरविंद सिंह मेवाड़ की पत्नी बनीं। वे डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ की माता भी थीं, जो एक प्रख्यात समाजसेवी और शिक्षाविद हैं और मेवाड़ परिवार की वर्तमान पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

राजमाता विजयराज कुमारी ने अपने पूरे जीवन में पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ मेवाड़ की परंपराओं और लोक सेवा के चिरस्थायी मूल्यों को संरक्षित करने की गहरी प्रतिबद्धता को बखूबी निभाया। उनके स्नेहपूर्ण स्वभाव और दृढ़ जिम्मेदारी की भावना ने उन्हें शाही परिवार के भीतर और उदयपुर के लोगों के बीच सम्मान दिलाया। शिक्षा राजमाता विजयराज कुमारी के सार्वजनिक जीवन का एक अभिन्न अंग थी। उन्होंने ऊटी के फ्रांसिस्कन कॉन्वेंट स्कूल में प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की, जिसने उन्हें आधुनिक दृष्टिकोण प्रदान किया और साथ ही उन्हें मजबूत मूल्यों से भी परिचित कराया। उदयपुर में बसने के बाद, उन्होंने शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने और महिला सशक्तीकरण के उद्देश्य से शुरू की गई पहलों का समर्थन करने में गहरी रुचि ली। महाराणा मेवाड़ पब्लिक स्कूल (एमएमपीएस) के साथ उनका जुड़ाव विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो गया। 1980 के दशक के दौरान, उन्होंने संस्था के विकास और परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, और इसे एक आधुनिक, अनुशासित और गुणवत्ता-केंद्रित शैक्षिक मॉडल की ओर निर्देशित करने में मदद की। संस्था में उनके योगदान का अमिट प्रभाव रहा, जिसके परिणामस्वरूप कई पीढ़ियों के छात्र उच्च शिक्षा और पेशेवर करियर की ओर अग्रसर हुए। जो लोग उन्हें करीब से जानते थे, उनके लिए राजमाता विजयराज कुमारी के लिए शिक्षा केवल एक संस्था निर्माण प्रक्रिया नहीं थी।

गणेश चतुर्थी पर खूनी विवाद, चेन्नई में युवक की मौत और डिंडीगुल में किसान की हत्या

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु में गणेश चतुर्थी उत्सव के दौरान अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई। चेन्नई के रामापुरम स्थित वेंकटेश्वरा नगर में गणेश प्रतिमा जुलूस के दौरान दो पक्षों के बीच हुई झड़प में गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं, डिंडीगुल जिले में गणेश प्रतिमा स्थापित करने को लेकर हुए विवाद के बाद एक किसान की हत्या कर दी गई। चेन्नई के रामापुरम स्थित वेंकटेश्वरा नगर में गणेश चतुर्थी के अवसर पर बीते सोमवार को गणेश प्रतिमा का जुलूस निकाला जा रहा था। इसी दौरान जुलूस को पूरे इलाके में ले जाने की मांग को लेकर दो पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों समूहों के बीच मारपीट हो गई। झड़प के दौरान श्रीनिवासन गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन इलाज के दौरान 15 सितंबर को उनकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में तनाव और शोक का माहौल है। रामापुरम पुलिस ने मामले में हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने आनंद नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू की है। इसके अलावा, झड़प में शामिल अन्य लोगों की पहचान के लिए भी जांच की जा रही है। इसी बीच डिंडीगुल जिले के कुजिलियामपाराई तालुक के रामगिरी के पास बोम्मनायक्कनपट्टी में भी गणेश चतुर्थी के दौरान विवाद के बाद एक किसान की हत्या का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान 47 वर्षीय बोम्मन के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि 13 सितंबर को पैतृक गांव में गणेश प्रतिमा स्थापित करने को लेकर बोम्मन का गांव के कुछ लोगों से विवाद हुआ था। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस उन्हें कुजिलियामपाराई थाने ले गई, जहां बातचीत के जरिए विवाद सुलझाने का प्रयास किया गया। बातचीत समाप्त होने के बाद बोम्मन करुवाडु नायक्कनूर स्थित अपनी तीसरी पत्नी के घर के लिए रवाना हुए, लेकिन वह वहां नहीं पहुंचे। बाद में पुलिस और उनके परिजनों को सूचना मिली कि मुष्टकिनत्तुपट्टी इलाके में बोम्मन मृत अवस्था में पड़े हैं और उनके शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर खून के घाव हैं।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बोम्मन की हत्या किन परिस्थितियों में हुई और इसमें कौन-कौन लोग शामिल थे।

समग्र शिक्षा योजना की निरंतरता के लिए 36 हजार करोड़ रूपये से अधिक की स्वीकृति

सर्वांगीण विकास, अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण और जनकल्याण के लिए 42 हजार 490 करोड़ रूपये की स्वीकृति

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक संपन्न हुई। मंत्रि-परिषद ने प्रदेश के सर्वांगीण विकास, अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण और जनकल्याण को गति देने के लिए 42 हजार 490 करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्तावों को मंजूरी दी। मंत्रि-परिषद ने गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा के विस्तार के लिए केन्द्र प्रवर्तित समग्र शिक्षा योजना की आगामी पांच वर्षों की निरंतरता के लिए 36 हजार 6 करोड़ रुपये से अधिक की स्वीकृति प्रदान की। नागरिक सुविधाओं में वृद्धि के उद्देश्य से परिवहन विभाग की 11 योजनाओं के लिए 1 हजार 166 करोड़ रुपये तथा किसानों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से उद्यानिकी विभाग की 8 योजनाओं के लिए 491 करोड़ रुपये की निरंतरता अनुमोदित की गई। जल संसाधन के क्षेत्र में उज्जैन की चितावद, सिंगरौली की गौंड तथा अशोकनगर की चंदेरी सिंचाई परियोजनाओं के लिए 2 हजार 600 करोड़ रुपये से अधिक स्वीकृत किए गए, जिससे 1 लाख 27 हजार हेक्टेयर से अधिक रकबे में सिंचाई क्षमता विकसित होगी। प्रशासनिक तंत्र को मजबूत करते हुए नवगठित जिलों मैहर, मऊगंज और पांदुर्णा में खनिज शाखा की स्थापना के लिए 21 नवीन पदों तथा अनूपपुर व शहडोल के उन्नयित स्कूलों के लिए 36 पदों के सृजन को स्वीकृति दी गई। साथ ही रक्षाबंधन पर लाड़ली बहनों को 250 रुपये की अतिरिक्त विशेष सहायता दिए जाने का अनुसमर्थन और मार्कफेड को 2,220 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त ऋण देने का भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।

मंत्रि-परिषद ने केन्द्र प्रवर्तित योजना समग्र शिक्षा के वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक निरंतर संचालन के लिए 36,006.22 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है। समग्र शिक्षा योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रावधान एवं विद्यार्थियों के सीखने के प्रतिफलों में वृद्धि करना, शाला शिक्षा में सामाजिक एवं लैंगिक भेद को कम करना, शाला शिक्षा के सभी स्तरों पर समता एवं समावेशन सुनिश्चित करना, शाला शिक्षा के प्रावधानों में न्यूनतम मानकों को सुनिश्चित करना, शिक्षा के साथ व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देना, निःशुल्क व अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के कार्यान्वयन में राज्य को सहायता देना और शिक्षक प्रशिक्षण के लिए एस.सी.ई.आर.टी. / राज्य शिक्षा संस्थान और डाइट को नोडल एजेंसियों के रूप में सुदृढ़ीकरण और उन्नयन करना है। साथ ही सार्व-भौमिक पहुंच, समता और गुणवत्ता, शिक्षा के साथ व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देना और शिक्षक शिक्षा संस्थानों को सुदृढ़ किये जाने को इस योजना के मुख्य परिणामों के रूप में निर्धारित किया गया है। समग्र शिक्षा योजना अंतर्गत पूर्व प्राथमिक से कक्षा 12 तक अध्ययनरत 4 से 18 आयुवर्ग के समस्त श्रेणी के छात्र-छात्राओं की शिक्षा का प्रावधान है। मंत्रि-परिषद ने परिवहन विभाग के सुचारू संचालन, अधोसंरचना विकास और नागरिक सुविधाओं के विस्तार को ध्यान में रखते हुए विभाग अंतर्गत संचालित राजस्व एवं पूंजीगत व्यय सम्बंधी 500 करोड़ रूपये से कम की योजनाओं की 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक निरंतर संचालन के लिए कुल 1,166 करोड़ 60 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। स्वीकृति अनुसार उड़नदस्ता एवं चेक पॉइंट की स्थापना व्यय के लिए सर्वाधिक 377 करोड़ 41 लाख रुपये तथा जिला स्थापना व्यय के लिए 361 करोड़ 89 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा विभाग के मुख्यालय स्थापना व्यय के लिएभी 120 करोड़ 10 लाख रुपये और राज्य परिवहन अपीलीय अधिकरण के संचालन के लिए 10 करोड़ 39 लाख रुपये की मंजूरी दी गई है। डिजिटल सेवाओं और अधोसंरचना के अंतर्गत स्मार्ट कार्ड योजना के निरंतर संचालन के लिए 245 करोड़ 55 लाख रुपये का अनुमोदन किया गया है। विभागीय कार्यालय भवनों के नवीन निर्माण कार्यों के लिए 30 करोड़ रुपये तथा मौजूदा परिसंपत्तियों के संधारण और रखरखाव के लिए लगभग 5.50 करोड़ रुपये स्वीकृत किए।

जनसुनवाई में 120 आवेदन प्राप्त हुए

जनसुनवाई में अधिकारियों ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में एडीएम श्री सुमित पांडेय ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 120 आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर एसडीएम एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। एडीएम श्री पांडेय ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

जनसहभागिता-परस्पर समन्वय और उत्साह व उमंग के साथ हों आयोजन

प्रधानमंत्री मोदी का जन्म दिवस सभी के लिए विशेष उत्सव : मुख्यमंत्री

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष सत्ता के नहीं बल्कि निरंतर सेवा और राष्ट्र निर्माण के 25 वर्ष हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री से देश के प्रधानमंत्री तक की यात्रा में उन्होंने जनसेवा को अपना संकल्प बनाया। प्रधानमंत्री श्री मोदी का जन्म दिवस हम सब के लिए विशेष उत्सव है। सेवा-संकल्प अभियान के शुभारंभ ÷आशीर्वाद का दीया÷ से करना अभिनव पहल है। यह दीपक हम सब के मन की प्रसन्नता के प्रकटीकरण का प्रतीक बनेगा। हर गांव और वार्ड में दीपावली जैसा उत्सव आयोजित किया जाएं। संपूर्ण प्रदेश में शासन-प्रशासन, सामाजिक संगठन, जनप्रतिनिधि, परस्पर समन्वय से पूर्ण भव्यता और उल्लास के साथ सेवा-संकल्प अभियान में भागीदारी करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को सेवा-संकल्प अभियान के संबंध में मुख्यमंत्री निवास से प्रदेश के जनप्रतिनिधियों से वर्चुअली चर्चा में यह बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा प्रदेश को दी गई बड़ी सौगातों के संबंध में आमजन को अवगत कराया जाए। आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम के साथ ही प्रधानमंत्री श्री मोदी की देश-दुनिया में प्राप्त उपलब्धियों पर चर्चा भी अवश्य की जाये। प्रधानमंत्री श्री मोदी को मध्यप्रदेश को कई सौगातें प्रदान की हैं। मेट्रो ट्रेन, एयरपोर्ट, मेडिकल कॉलेज, प्रधानमंत्री आवास, हर घर में नल से जल, किसान कल्याण जैसी कई सौगातें हैं, जिनसे आम आदमी का जीवन बदला है। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति ने हमें दिया ही दिया है, उनके आभार स्वरूप एक दीया प्रज्जवलित करना हम सबका कर्तव्य है। महिला स्व-सहायता समूह, लाड़ली बहना, किसान, पशुपालक, मछुआ, युवा एवं विद्यार्थी तथा स्वामित्व योजना के हितग्राहियों को इस गतिविधि से जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सेवा-संकल्प अभियान 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलाया जा रहा है। इस अवधि में प्रदेशवासियों को और भी सुविधाएं मिलेंगी। भूमि-स्वामियों के पक्ष में निःशुल्क रजिस्ट्री प्रक्रिया आरंभ होगी। अभियान के दौरान ही प्रदेश में 50 लाख रजिस्ट्रियां की जाएंगी। अभियान की अवधि में ही 25 सितम्बर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर सुगम यात्री बसों का संचालन भी प्रदेश में आरंभ होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभियान में अधिक से अधिक जनसहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान करते हुए कहा कि परस्पर समन्वय से मध्यप्रदेश अभियान के संचालन में देश में अपनी विशेष छाप छोड़ेगा।

मक्का की फसल को भारी नुकसान, उड़द में भी अप्लान की समस्या

फसल नुकसान का जल्द होगा सर्वे, मंत्री राजपूत ने अधिकारियों को दिए निर्देश

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

सागर जिले की सुरखी विधानसभा क्षेत्र में तेज आंधी-तूफान और बारिश से फसलों को हुए नुकसान को लेकर किसानों ने खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने बताया कि मौसम की मार से मक्का की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है, जबकि उड़द की फसल में भी अप्लान की समस्या सामने आ रही है। किसानों ने प्रभावित फसलों का सर्वे कराकर उचित राहत एवं मुआवजा दिलाने की मांग की। किसानों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए मंत्री श्री राजपूत ने तत्काल

सागर कलेक्टर, एसडीएम सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुरखी, जैसीनगर और राहतगढ़ सहित प्रभावित क्षेत्रों में फसल नुकसान का जल्द से जल्द सर्वे कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आंधी-तूफान और बारिश से प्रभावित फसलों की वास्तविक स्थिति का मौके पर जाकर आकलन किया जाए और नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि पात्र किसानों को समय पर राहत एवं मुआवजा मिल सके। मंत्री श्री राजपूत ने किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदा के कारण फसल खराब होने से किसानों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

मध्यप्रदेश पुलिस की वाहन चोरों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई, 15 दिनों में 54 चोरी किये गये वाहन बरामद

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने एवं चोरी गए वाहनों की बरामदगी के लिए लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। विगत 15 दिनों में प्रदेश के विभिन्न जिलों में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 54 चोरी किये गये वाहन जिनमें ट्रैक्टर, पिकअप, मोटरसाइकिल, ट्रक आदि वाहन शामिल है बरामद किए हैं। थाना स्टेशनगंज पुलिस ने 02 शातिर मोटरसाइकिल चोरों को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की, जिसमें 07 मोटरसाइकिल चोरी की वारदातों का खुलासा हुआ। आरोपियों के कब्जे से अनुमानित 7 लाख रुपये कीमत की

11 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। पुलिस ने मोटरसाइकिल चोर गिरोह के 03 आरोपियों को गिरफ्तार कर करीब 5 लाख मूल्य की 08 मोटरसाइकिलें बरामद कीं। आरोपी खरगोन एवं धार जिले में मोटरसाइकिल चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। एक अन्य कार्रवाई में 02 आरोपियों को गिरफ्तार कर करीब 1 लाख 50 हजार मूल्य की 03 मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। इस प्रकार कुल 11 मोटरसाइकिलें बरामद। थाना पनिहार पुलिस ने शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर चोरी की मारुति स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की। थाना कम्पू पुलिस ने वाहन चोर को गिरफ्तार कर चोरी की हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की। वहीं थाना भितरवार पुलिस ने शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर तथा चोरी की मोटरसाइकिल खरीदने वाले 03 विधिविरुद्ध बालकों को अभिरक्षा में लेकर उनकी निशानदेही पर 06 मोटरसाइकिलें बरामद कीं। कुल 08 वाहन बरामद किये गये। थाना आष्टा पुलिस ने सोशल मीडिया पर मिली सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी का ऑटो आरोपी सहित 01 घंटे में बरामद किया, जिसकी कीमत 3 लाख 50 हजार रुपये है। थाना भेरूंदा पुलिस ने बस स्टैंड नसरुल्लागंज से चोरी हुई।

किसान कल्याण वर्ष में शत-प्रतिशत उपलब्धि के साथ भोपाल संभाग को प्रथम स्थान दिलाने का लक्ष्य

शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें : संभागायुक्त शर्मा

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को कमिश्नर कार्यालय के सभाकक्ष में कृषि एवं किसान कल्याण, उद्यानिकी, पशुपालन तथा मत्स्य विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई। संभागायुक्त शर्मा ने संभाग एवं जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए निर्धारित लक्ष्यों की समय-सीमा में पूर्ति सुनिश्चित की जाए। इसके लिए मैदानी स्तर से संभाग स्तर तक प्रतिदिन व्यवस्थित मॉनिटरिंग और समीक्षा की प्रभावी व्यवस्था विकसित की जाए।

संभागायुक्त शर्मा ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष-2026 के अंतर्गत कृषि एवं संबद्ध विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन में शत-प्रतिशत उपलब्धि अर्जित कर भोपाल संभाग को प्रदेश में प्रथम स्थान दिलाना सभी अधिकारियों का लक्ष्य होना चाहिए। किसानों से जुड़े प्रत्येक विषय को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। कृषि एवं संबद्ध विभाग आपसी समन्वय से मैदानी स्तर पर कार्य करें तथा नवाचारों के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करें। उद्यानिकी विभाग की समीक्षा करते हुए संभागायुक्त ने सभी जिलों में उद्यानिकी फसलों की गिरदावरी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने प्राकृतिक एवं संरक्षित खेती को प्रोत्साहित करने

के साथ उद्यानिकी फसलों के रकबे और उत्पादन में वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास करने तथा योजनावार निर्धारित लक्ष्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त शर्मा ने जलवायु क्षेत्र के अनुरूप 'एक जिला-एक उत्पाद' के अंतर्गत भोपाल में अमरूद, सीहोर में प्याज, राजगढ़ में संतरा, विदिशा में धनिया तथा रायसेन में टमाटर का रकबा बढ़ाने के निर्देश दिए। संभागायुक्त शर्मा ने भोपाल मेट्रोपॉलिटन रीजन में क्षेत्रवार क्लस्टर आधारित उद्यानिकी फसलों और कृषि-संबद्ध गतिविधियों का सटीक मैदानी डेटा एकत्र करने के निर्देश दिए। उन्होंने उपलब्ध संसाधनों एवं मांग का आकलन कर कोल्ड स्टोरेज, फूड प्रोसेसिंग यूनिट, डेयरी तथा अन्य रोजगारपरक उद्योगों की स्थापना के लिए समग्र योजना तैयार करने को कहा उन्होंने कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन और मत्स्यपालन से संबंधित क्लस्टर आधारित उद्योगों की स्थापना के साथ छोटे एवं रोजगारपरक कृषि आधारित उद्योगों को अधिक से अधिक प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

एग्री स्टैक आईडी और किसान पंजीयन के लिए चलेगा अभियान

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की समीक्षा करते हुए संभागायुक्त ने सभी जिलों में किसानों की एग्री स्टैक आईडी बनाने तथा ई-विकास पोर्टल पर किसानों के पंजीयन, ई-टोकन बुकिंग और समिति स्तर पर सदस्य किसानों का पंजीयन सुनिश्चित कराने के लिए व्यापक अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने खाद एवं बीज की उपलब्धता की प्रतिदिन मॉनिटरिंग करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। अमानक खाद एवं बीज के विक्रय में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई कर एफआईआर दर्ज कराई जाए। पशुपालन विभाग की समीक्षा करते हुए संभागायुक्त शर्मा ने दुग्ध उत्पादन में वृद्धि, पशुधन संवर्धन, पशु स्वास्थ्य सेवाओं, कृत्रिम गर्भाधान, नस्ल सुधार कार्यक्रमों तथा 'रधारा' जैसी अभिनव योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बच्चों के स्वास्थ्य से मातृ पोषण और हितग्राही संवाद तक होंगे कार्यक्रम

सेवा संकल्प अभियान में प्रदेश के हर आंगनवाड़ी केंद्र पर होगा 'आंगन मिलन'

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

सेवा संकल्प अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रदेशभर में 'आंगन मिलन सेवा' का आयोजन किया जाएगा। 26 सितंबर से 5 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस अभियान में प्रदेश के प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र पर तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान का उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों को सेवा, पोषण, सीखने, जनसहभागिता और सम्मान के जीवंत केंद्र के रूप में विकसित करना है। अभियान के माध्यम से बच्चों और माताओं को शासन की योजनाओं से जोड़ने के साथ आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, आशा कार्यकर्ताओं और अन्य फ्रंटलाइन कर्मियों के योगदान को भी सम्मान दिया जाएगा। अभियान के लिए प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र की तीन दिवसीय सूक्ष्म कार्ययोजना तैयार की जाएगी। 26 से 28 सितंबर, 29 सितंबर से 1 अक्टूबर तथा 2 से 5 अक्टूबर की अवधि में प्रत्येक केंद्र के लिए कार्यक्रम की तिथि निर्धारित की जाएगी। आयोजन से पहले स्थानीय स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिकाधिक माताओं, बच्चों, हितग्राहियों, जनप्रतिनिधियों और समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। पहला दिन बाल स्वास्थ्य एवं आनंदमयी गतिविधियों के नाम रहेगा। तीन से 6 वर्ष के बच्चों के बीच प्रधानमंत्री के संदेश का वाचन एवं कॉमिक वितरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री की अपील का प्रसारण किया जाएगा। बच्चों के लिए खेल, कहानी, चित्रकला और मनोरंजक गतिविधियां होंगी। 'कहानी सुनाओ-कहानी से जुड़ो' जैसी गतिविधियों से बच्चों की रचनात्मकता और सीखने की क्षमता को प्रोत्साहित किया जाएगा। बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण और आवश्यक जांच कराई जाएगी तथा फल और मिठाई वितरित की जाएगी। दूसरे दिन मातृ स्वास्थ्य एवं पोषण संवाद होगा। गर्भवती एवं धात्री माताओं का स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से गर्भावस्था एवं प्रसवोत्तर अवधि से जुड़े परामर्श भी दिए जाएंगे। माताओं के साथ पोषण संवाद में संतुलित आहार, एनीमिया, स्तनपान और शिशु देखभाल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सरल भाषा में जानकारी दी जाएगी। तीसरा दिन 'मेरी कहानी, मेरी सफलता' के नाम होगा। इसमें विभागीय योजनाओं से लाभान्वित दो-तीन माताएं अपने अनुभव साझा करेंगी। योजनाओं से मिले लाभ और उनके जीवन में आए सकारात्मक बदलावों को सामने लाया जाएगा। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, लाड़ली बहना योजना, टेक होम राशन, गर्म पका भोजन सहित पोषण, स्वास्थ्य और महिला-बाल कल्याण से जुड़ी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी।

रियल टाइम मॉनिटरिंग और डेटा आधारित निर्णय होंगे आसान

मंत्री भूरिया ने शक्ति सदन और मिशन वात्सल्य अनुदान ई-पोर्टल का किया शुभारंभ

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने मंगलवार को मंत्रालय में मिशन शक्ति के शक्ति सदन और मिशन वात्सल्य की अशासकीय बाल देखरेख संस्थाओं के लिए अनुदान ई-पोर्टल का शुभारंभ किया। सरकार ने प्रदेश में इन संस्थाओं को अनुदान देने की अब तक चली आ रही मैनुअल प्रक्रिया को डिजिटल व्यवस्था में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। आवेदन, दस्तावेज अपलोड, प्रस्ताव परीक्षण, स्वीकृति, भुगतान और प्रगति की निगरानी सहित पूरी प्रक्रिया एक ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर होगी। ऑनलाइन पोर्टल से अनुदान प्रस्तावों की प्रक्रिया को ट्रैक किया जा सकेगा। संस्थाओं को बार-बार दस्तावेज और प्रस्ताव लेकर विभागीय कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता कम होगी। प्रस्तावों के परीक्षण और स्वीकृति की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित होगी तथा भुगतान में लगने वाले समय को न्यूनतम करने में मदद मिलेगी। रियल टाइम मॉनिटरिंग से यह भी पता रहेगा कि किस संस्था का प्रस्ताव किस स्तर पर है। पोर्टल के लागू होने से अनुदान प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी तथा कागजी कार्यवाही कम होगी। डिजिटल रिकॉर्ड के कारण दस्तावेजों के संधारण और प्रस्तावों की निगरानी अधिक व्यवस्थित तरीके से की जा सकेगी। उपलब्ध डेटा

के आधार पर विभाग को योजनाओं की प्रगति का आंकलन करने और आवश्यक निर्णय लेने में भी सुविधा होगी। मिशन शक्ति में प्रदेश के 13 जिलों में 14 शक्ति सदन संचालित हैं। भोपाल, उज्जैन, नर्मदापुरम, जबलपुर, बालाघाट, खंडवा, ग्वालियर, बैतूल, मंडला, मुरैना, राजगढ़, पांढुर्णा और छतरपुर में संचालित इन शक्ति सदनों में कठिन परिस्थितियों में जीवनयापन करने वाली, निराश्रित, जेल से रिहा महिला कैदी, प्राकृतिक आपदा से प्रभावित तथा हिंसा से पीड़ित महिलाओं को आश्रय और पुनर्वास की सुविधाएं दी जाती हैं। शक्ति सदनों में महिलाओं को आश्रय, पोषण, वस्त्र, स्वास्थ्य सुविधा, कानूनी सलाह एवं सहायता सहित आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। विगत वर्ष 2,386 महिलाओं को इन सेवाओं का लाभ मिला। मिशन वात्सल्य में किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार प्रदेश में 130 बाल देखरेख संस्थाएं संचालित हैं। इनमें 62 बाल गृह, 12 खुला आश्रय गृह, 35 विशेषज्ञ दत्तक ग्रहण अभिकरण, 18 सम्प्रेक्षण गृह और 3 विशेष गृह शामिल हैं। इन संस्थाओं में वर्तमान में 2,377 बच्चे निवासरत हैं। इन संस्थाओं के माध्यम से देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले तथा विधि का उल्लंघन करने वाले बच्चों को संरक्षण उपलब्ध कराने के साथ उनके पारिवारिक पुनर्वास पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। मिशन वात्सल्य के तहत वर्तमान में 79 अशासकीय बाल देखरेख संस्थाओं को अनुदान दिया जा रहा है, जिनमें 44 बाल गृह, 9 खुला आश्रय गृह और 26 विशेषज्ञ दत्तक ग्रहण अभिकरण शामिल हैं। पोर्टल के संचालन और रिपोर्टिंग के लिए 16 सितम्बर 2026 को होटल मैनेजमेंट एवं इंस्टीट्यूट, भोपाल में तकनीकी प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। इसमें शक्ति सदन और बाल देखरेख संस्थाओं से प्रबंधक एवं लेखापाल सहित दो-दो प्रतिभागी शामिल होंगे।

त्वचा बनेगी मक्खन सी मुलायम, घर पर बना लें एलोवेरा का साबुन

बाजार में मिलने वाले ज्यादातर साबुन त्वचा को रूखा बनाते हैं, क्योंकि इसमें रंग, फ्रेगरेंस समेत कई केमिकल होते हैं. आप घर पर एलोवेरा साबुन बना सकते हैं जो आपकी त्वचा को मुलायम बनाए रखने में मदद करेगा.

त्वचा की देखभाल में क्लीनिंग सबसे पहला और सबसे जरूरी स्टेप होता है, लेकिन स्किन के लिए हमेशा सौम्य साबुन या बॉडी वॉश का यूज करना चाहिए. कुछ लोगों की त्वचा काफी सेंसिटिव होती है और बहुत जल्दी ड्राई भी हो जाती है. ऐसे में जरूरी है कि आप मॉइस्चराइजिंग गुणों से भरपूर साबुन का इस्तेमाल करें. आप घर पर ही ऐसा साबुन बनाकर तैयार कर सकते हैं जो आपकी त्वचा को न सिर्फ मुलायम बनाए रखेगा, बल्कि त्वचा को फंगल इंफेक्शन से भी बचाएगा. इसमें ज्यादातर नेचुरल चीजों का इस्तेमाल किया जाएगा.बाजार में मिलने वाले साबुन लगाने के बाद त्वचा की नमी कम हो जाती है. इस वजह से स्किन खिंची-खिंची महसूस होने लगती है. केमिकल वाले ब्यूटी प्रोडक्ट से त्वचा को नुकसान भी पहुंच सकता है. खासकर जिनकी त्वचा संवेदनशील होती है, उन्हें ज्यादा परेशानी होती है. जान लेते हैं साबुन बनाने का तरीका.झ

साबुन बनाने के इनग्रेडिएंट्स

250 ग्राम सोप बेस

2 चम्मच ग्लिसरीन

3-4 विटामिन ई के कैप्सूल

1 चम्मच बादाम या जैतून का तेल (कोकोनट ऑयल भी ले सकते हैं)

सिलिकॉन का सोप मोल्ड या फिर कोई कंटेनर

ताजा एलोवेरा जेल आधा कप

मुट्ठी भर नीम की पत्तियां

टी ट्री एसेंशियल ऑयल की 4-5 बूंदें

कैसे बनाएं साबुन?

सबसे पहले एलोवेरा जेल को पत्तियों से अलग करने के बाद मिक्सी में पीस लें और इसे छान लें.

नीम की पत्तियों को धोने के बाद मिक्सी में अच्छी तरह से पीसकर उसका पेस्ट बनाकर तैयार कर लें.

सोप बेस को चाकू की मदद से छोटे क्यूब्स में काटकर एक बाउल में डालकर इसे डबल बॉयलर में पिघला लें.

जब बेस सोप बिल्कुल लिक्विड जैसा हो जाए तो गैस को बंद कर दें और इसमें एलोवेरा जेल डालकर चम्मच से एकसार होने तक मिला लें.

अब इसमें बादाम, जैतून या नारियल में से कोई एक तेल, ग्लिसरीन, विटामिन ई कै कैप्सूल और नीम का पेस्ट मिलाएं.सारी चीजों को अच्छी तरह मिक्स करने के बाद तैयार किए गए लिक्विड को आप साबुन के मोल्ड में डाल दें. इसे अच्छी तरह से सेट होने के लिए छोड़ दें.

2 से 3 घंटे में सामान्य तापमान पर ये जमकर तैयार हो जाएगा. पूरी तरह सख्त होने के बाद इसे मोल्ड से निकालें और बस ये इस्तेमाल के लिए तैयार है.

साबुन से इतने होंगे फायदे

एलोवेरा, ग्लिसरीन और इसमें मौजूद तेल आपकी त्वचा को मुलायम बनाने के साथ पोषण देंगे. नीम आपको फंगल इंफेक्शन, महीन दाने होना जैसी समस्याओं से बचाएगी तो वहीं विटामिन ई स्किन को हेल्दी बनाए रखने में मदद करेगा.

आंकड़ों से छिप नहीं सकता 'भरोसे का संकट'

तकनीकी जानकारी जीडीपी के आंकड़ों को समझा सकती है जबकि अनुभव पर आधारित समझ उन आंकड़ों की सच्चाई पर सवाल उठा सकती है। वहीं, व्यावहारिक समझ उन्हें बेकार बताकर खारिज कर सकती है- खासकर ऐसी दुनिया में जहां वास्तविक ज़िंदगी का अनुभव बताए गए आंकड़ों से कोसों दूर है। जब सरकारी बयानों में बताई गई बातें लोगों की असल ज़िंदगी से मेल नहीं खातीं तो लोगों की ज़िंदगी ही सच बन जाती है।क्या भारतीय अर्थव्यवस्था तेज़ी से बढ़ रही है, धीमी है या बहुत सुस्त है? इस बात पर ज़ोरदार बहस चल रही है कि क्या 2026 की पहली तिमाही में जीडीपी ग्रोथ सरकार के दावे के मुताबिक सचमुच 7.8 प्रतिशत थी या सिर्फ़ 2.6 फ़ीसदी, जो पिछले साल के आंकड़ों में बदलाव और महंगाई के असर (इन्फ्लेशन डिफ्लेटर) को ठीक से जोड़ने पर लगभग शून्य हो जाती है। इस बहस का फ़ैसला सिफ़ ंआंकड़ों से नहीं हो सकता।तकनीकी जानकारी जीडीपी के आंकड़ों को समझा सकती है जबकि अनुभव पर आधारित समझ उन आंकड़ों की सच्चाई पर सवाल उठा सकती है। वहीं, व्यावहारिक समझ उन्हें बेकार बताकर खारिज कर सकती है- खासकर ऐसी दुनिया में जहां वास्तविक ज़िंदगी का अनुभव बताए गए आंकड़ों से कोसों दूर है। जब सरकारी बयानों में बताई गई बातें लोगों की असल ज़िंदगी से मेल नहीं खातीं तो लोगों की ज़िंदगी ही सच बन जाती है और सरकारी बयान सिर्फ़ एक कहानी या नैरेटिव बनकर रह जाते हैं।जीडीपी के आंकड़ों को लेकर हो रही बहस मौजूदा हालात की निशानी है। ये उस भरोसे के संकट को दिखाते हैं जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। दिलचस्प बात यह है कि पूर्व नौकरशाहों ने आंकड़ों को लेकर सरकार से मोर्चा ले लिया है। इससे इस मामले ने एक बड़े राजनीतिक टकराव का रूप धर लिया है तथा %दांव% और भी ऊंचे हो गए हैं। पिछले सप्ताहांत पीएम ने विकास की कहानी को इन शब्दों में पेश किया-%पश्चिम एशिया में युद्ध और वैश्विक व्यापार की बाधाओं के बीच 7.8 प्रतिशत की तिमाही विकास दर हासिल करना भारत की आंतरिक क्षमता को दर्शाता है।% ज़ोरदार सरकारी दावों और उनके तीखे जवाबों ने इसे सरकार के लिए एक राजनीतिक दलदल बना दिया है जो पहले से ही मुश्किल हालात का सामना कर रही है।असल में जंतर-मंतर पर हुए विरोध-प्रदर्शनों के बाद 7.8 प्रतिशत की विकास दर सरकार के लिए पहली अच्छी खबर थी क्योंकि इन प्रदर्शनों ने सरकार को झुकने पर मजबूर कर दिया और जुलाई में तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफ़ा ले लिया। इस विवाद में सरकार की काफी किरकिरी हुई थी। प्रदर्शनों के दौरान एक ऐसे प्रधानमंत्री का मज़ाक उड़ाया गया और उन पर मीम्स बनाए गए जिन्हें कभी बहुत ताकतवर और अजेय माना जाता था। विरोध-प्रदर्शनों को संभालने के तरीके को लेकर उनके गृह मंत्री अमित शाह को कड़े सवालों का सामना करना पड़ा। अंदरूनी स्तर पर भारी तनाव की बात कहने वाले एक पूर्व नौकरशाह को जिस तरह से नई दिल्ली में घंटों तक हिरासत में रखा गया उससे इस बात को और बल मिला है कि अंदर कुछ तो बहुत ही गड़बड़ है।एक समय था जब मोदी की कही लगभग कोई भी बात गलत नहीं मानी जाती थी। अब एक ऐसा समय आ गया है जब उनकी कही लगभग कोई भी बात सही नहीं मानी जाती। इस बात पर गौर करें- 2014 में केन्द्र में सत्ता में आने से ठीक पहले गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री के तौर पर मोदी ने मुंबई में उद्योगपतियों के एक समूह से खुलकर कहा था कि उन्हें पता है कि मुंबई और अहमदाबाद के बीच चलने वाली जिस बुलेट ट्रेन का सपना वे देख रहे थे, उसमें कोई सवारी नहीं करेगा। लेकिन जल्द ही प्रधानमंत्री बनने वाले उसी व्यक्ति ने कहा कि, %हमें दुनिया को यह दिखाना होगा कि हमारे पास बुलेट ट्रेन है।% चीन का उदाहरण देते हुए उन्होंने दावा किया कि चीनी लोग भी पूरे देश के बजाय सिफ़ ंशंघाई को ही दुनिया के सामने पेश करते हैं। दर्शकों ने तालियां बजाईं। किसी ने कोई सवाल नहीं उठाया। गहराई से देखें तो यही वह सोच या कार्य-पद्धति है जो सरकार के साथ लगातार बनी रही है और नैरेटिव बनाए रखने के लिए कई विचारों, फैसलों और अनुमानों को आकार देती रही है। दुनिया को जो दिखाना है उसे पहले देश के भीतर दिखाना और पेश करना ज़रूरी है। इकोनॉमिक्स कोर्स करें

भारत की जीडीपी की कहानी इस बात का एक उदाहरण है कि कैसे मोदी सरकार के बेहतर प्रदर्शन के दावों पर लोगों का भरोसा और विश्वास कम हुआ है। गैर-निष्पादित परिसंपत्ति' (नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स) को साफ करने के दावे और सिस्टम के असल कामकाज को लेकर फिर से उठे विवाद पर गौर करें। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के हालिया आदेश से एक समाधान निकाला गया जिसमें टीवी के एक पूर्व दिग्गज को कुल 22,006.57 करोड़ रुपये के दावों के बदले सिफ़ ं6.25 करोड़ रुपये चुकाने थे। ये दावे एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड ने ट्रिब्यूनल के सामने रखे थे। यानी हर सौ रुपये के कर्ज के बदले तीन पैसे से भी कम। उस दिग्गज का कहना है कि वे लगभग कंगाल हो चुके हैं। %समझौते' का यह चौंकाने वाला मामला अब रोक दिया गया है। इसके अलावा, उस दिग्गज के खिलाफ एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड की शिकायत पर सीबीआई ने मामला दर्ज किया है।कोई एक मामला भले ही अहम हो लेकिन उससे ज़्यादा ज़रूरी वह बात है जिसकी ओर वह इशारा करता है। वित्तीय वर्ष 2018 और वित्तीय वर्ष 2025 के बीच सरकारी बैंकों का कुल एनपीए 8.96 लाख करोड़ रुपये से घटकर 2.84 लाख करोड़ रुपये हो गया पर बही-खातों से यह बैड स्टॉक (खराब लोन) कैसे हटाया गया? यह रिकवरी के बजाय %राइट-ऑफ% (बट्टे खाते में डालने) के ज़रिए किया गया। उन्हीं आठ सालों में, 6.72 लाख करोड़ रुपये की रिकवरी और अपग्रेडेशन के मुकाबले 10.76 लाख करोड़ रुपये राइट-ऑफ किए गए जिसका अनुपात 1.60 था। हर एक रुपये की रिकवरी के बदले 1.60 रुपये राइट-ऑफ किए गए। 2025 के लिए सरकारी बैंकों द्वारा राइट-ऑफ की गई रकम रिकवरी से लगभग दोगुनी थी। डिजिटल लाइब्रेरी खोजेंइस सबके बारे में आधिकारिक जवाब यह है कि राइट-ऑफ एक अकाउंटिंग एंट्री है न कि लोन माफ़ी, मतलब उधार लेने वाला व्यक्ति अभी भी लोन चुकाने के लिए ज़िम्मेदार रहता है। वास्तव में रिकवरी कम ही रहती है। यह हमें %तकनीकी रूप से सही होने% और %ज़मीनी हकीकत% के उस अंतर की समस्या पर वापस ले जाता है जो जीडीपी ग्रोथ की कहानी में भी देखने को मिलती है। सिस्टम को यह संकेत मिलता है कि बड़े उधारकर्ता बचकर निकल सकते हैं जिससे सुशासन के मानक और कमज़ोर होते हैं। फिर भी, ग्रॉस एनपीए कम हुए हैं जो सिफ़ ंआंकड़ों के लिहाज़ से एक उपलब्धि है और सरकार के लिए जश्न मनाने की बात है। कागज़ों पर तो समस्या हल हो जाती है लेकिन असलियत में वह वैसी ही बनी रहती है।एक अहम बात यह है कि %खराब% आंकड़े सामने आने देना सरकार के लिए फायदेमंद होता है क्योंकि इन्हीं से अच्छे आंकड़ों पर भरोसा बढ़ता है। इनसे अच्छी बहस, बेहतर पॉलिसी बनाने और भरोसा बढ़ने में मदद मिलती है। अमेज़न के जेफ़ बेज़ोस से जब कहा गया कि, %सेल्स साइट पर खराब रिव्यू से बिज़नेस को नुकसान होता है%, तो उसने कहा था कि, %नकारात्मक प्रतिक्रिया और ग्राहक शिकायतें उत्पाद और सेवा दोषों को खोजने के लिए एक शक्तिशाली प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के रूप में कार्य करती हैं।% यह सच है कि नुकसान होता है, परन्तु थोड़े समय के लिए। लंबे समय में इनसे बेहतर खरीदारी व कम रिटर्न को बढ़ावा मिलता है और अच्छे रिव्यू पर भरोसा बढ़ता है जिससे पूरे रिव्यू सेक्शन की विश्वसनीयता बढ़ती है। ग्राहकों तथा कंपनी दोनों को फायदा भी होता है। इससे भरोसा बन सकता है। सबक सीधा है = खराब और लीक करने वाली जगह को कोई भी पेंट लंबे समय तक नहीं छिपा सकता।

संपादकीय

मां बोली भरे झोली

भारतीय नौनिहालों की बड़ी विडंबना है कि वे जब इस दुनिया में आंख खोलते हैं तो मां बोली से उनका परिचय होता है। घर में मां प्यार से जिस भाषा में बच्चे से लाड़ करती है और स्नेह उंडेलती है, वह उस बच्चे की मां बोली होती है। वह पंजाबी भी हो सकती है या तमिल आदि भी। उस भाषा में उसके पुरखों की सदियों से संरक्षित विरासत होती है। उसके रक्त में उसके प्रति सम्मोहन होता है। बच्चा बड़ा होता है तो आस-पड़ोस के बच्चों से उसका हिंदी या राज्य की भाषा में संवाद होता है। उसके लिए यह नई भाषा होती है। उसमें मां बोली जैसी सहजता और सरलता नहीं होती, लेकिन वह उसे सीखता है। दोस्तों के बीच खुद को अभिव्यक्त करता है। फिर स्कूल पहुंचता है तो उसे हिंदी के बाद अंग्रेजी से रूबरू होना पड़ता है। जाहिर है, यह वह भाषा होती है जो आमतौर पर उसके मां-बाप या दादा-दादी नहीं बोलते। लेकिन उस पर उसे सीखने और बोलने का दबाव होता है। अपनी जिस ऊर्जा को बच्चा सीखने और नया ज्ञान खोजने में लगा सकता है, उसे अपनी सारी ऊर्जा भाषायी जंजाल से उबरने में लगानी पड़ती है। यदि बच्चा अपनी मां बोली या हिंदी में अपनी पढ़ाई करता तो उसकी वास्तविक ऊर्जा और समय नया ज्ञान अर्जित करने में लगते। निश्चय ही यह भाषायी व्यवधान उसकी नैसर्गिक विकास गति को प्रभावित करते हैं। क्या कभी भाषा पर राजनीति करने वाले राजनेताओं ने बच्चों की इस समस्या पर संवेदनशील ढंग से विचार किया है?

गंभीर और शोचनीय स्थिति यह है कि जब बच्चा गांव से पढ़कर उच्च शिक्षा के लिए शहर जाता है तो यह भाषायी अवरोध उसकी प्रगति को बाधित करता है। निस्संदेह, गांव से आने वाला बच्चा फर्राटेदार अंग्रेजी नहीं बोल सकता। समाज की आर्थिक विषमता ने शिक्षा व्यवस्था में भी गहरा विभाजन पैदा किया है। एक तरफ पांच सितारा पब्लिक स्कूल हैं, जिन्हें समाज के धनाढ्य लोगों द्वारा राजनीतिक संरक्षण में संचालित किया जाता है। वहां सोने-चांदी की चम्मच लेकर पैदा हुए बच्चों को दाखिला मिलता है। दाखिला लेना उनकी अपनी नहीं, बल्कि उनके माता-पिता की योग्यता होती है, क्योंकि वे मोटी फीस भरते हैं। इस भेड़चाल में मध्यवर्गीय लोगों के बच्चे भी शामिल होते हैं, लेकिन अपने माता-पिता के नौकरी में खटने और कर्ज लेने की कीमत पर। इसमें गांव के उस कुशाग्र बुद्धि के बच्चे का क्या कसूर है, जिसे इन पांच सितारा स्कूलों में पढ़ने का मौका नहीं मिल सका? उसके मां-बाप इतना पैसा नहीं दे सके। फिर यह विभाजन आगे चलकर तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं में भी नजर आता है। अंग्रेजीदां अधिकारियों की प्राथमिकता अक्सर अंग्रेजी माध्यम से पढ़े छात्र ही होते हैं। यह भाषायी विभाजन एक स्वस्थ प्रतियोगिता को रोक देता है, जिसका त्रास बच्चा जीवनभर झेलता है। उसके भविष्य और सामाजिक हैसियत का निर्धारण केवल भाषा करने लगती है। खबरें आती हैं कि देश के शीर्ष शिक्षण संस्थानों आईआईटी और आईआईएम पहुंचने वाले वे छात्र पाठ्यक्रम से सामंजस्य नहीं बना पाते, जो हिंदीभाषी और क्षेत्रीय भाषा वाले स्कूलों से आते हैं। यहां तक कि आत्महत्या करने वाले छात्रों में भी उनकी संख्या देखने को मिलती है। हिंदी दिवस पर भाषा के इस विद्रूप पर गंभीर विमर्श होना चाहिए।

छात्र युवाओं के लिए राहुल वर्तमान और भविष्य, मोदी अतीत

जनता समझ चुकी है कि उसे हिन्दू-मुसलमान के नाम पर बहुत ेवकूफ बनाया गया। उसकी जिन्दगी खराब कर दी। और अगर अब भी ह चुप रही हिन्दू-मुसलमान के नशे में डूबी रही तो उसके बच्चों की जिन्दगी भी खराब हो जाएगी। खुद बच्चे भी यह समझ गए हैं। इसलिए हले छात्र और युवा आए जिन्हें जेन जी कहा गया फिर स्कूली बच्चे, किशोर। जो जेन अल्फा कहला रहे हैं। 16 साल तक के लड़के-लड़कियां।

क्स और इस तरह के अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन थोड़े दिनों के लिए धानमंत्री मोदी के अन्दर के डर को कम कर देते हैं। यहां फोटो में सेंटर ं रहने से वे समझते हैं कि देश की राजनीति में भी वे उसी तरह केन्द्र ं हैं।मगर वह बात अतीत हो चुकी है। अब प्रधानमंत्री केवल गोदी मीडिया और मेजबान की हैसियत से ऐसे अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों में ही सेंटर पाइंट ं दिखते हैं। इससे पहले 2023 में यहीं दिल्ली में जी-20 के शिखर म्मेलन में भी मोदी जी ऐसे ही खुद में आत्मविश्वास भर रहे थे। 400 ार की बात करने लगे थे।लेकिन वे जो देश का विश्वास खो चुके थे वह 024 लोकसभा चुनाव के नतीजों में सामने आ गया। 400 पार का दावा 40 पर आकर रूक गया। जनता को भूलकर केवल गोदी मीडिया में ीने का नतीजा सामने आ गया। अब फिर मोदी जी सब भूलकर इस ब्रेक्स सम्मेलन को अपनी व्यक्तिगत उपलब्धि की तरह लेंगे। गोदी मीडिया न्हें चढ़ा ही रहा है।लेकिन इससे वापस उनके देश के सेंटर पांइट में आने ी उम्मीदें पूरी नहीं होंगी। जगह भर चुकी है। वहां नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ा चुके हैं। चार साल पहले उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा शुरू करके गेम लट दिया था। लेकिन देश की सभी संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा होने कारण मोदी 2024 में पूरी तरह पराजित नहीं हो सके।राहुल ने इस ुनाव के बाद दो बहुत महत्वपूर्ण बातें कही थीं। एक अगर चुनाव मानदारी से होते तो मोदी को सौ सीटों का और नुकसान होता। और दूसरे गर प्रियंका गांधी बनारस से लड़ जातीं तो मोदी हार जाते। वहां कांग्रेस प्रत्याशी अजय राय ने ही मोदी को 7 राउंड तक पीछे छोड़ रखा था। किन उसके बाद खेल बदला गया। फिर भी मोदी 2019 के मुकाबले ाफी कम अंतर से जीत दर्ज कर पाए। 2019 में 4 लाख 79 हजार से ्यादा वोटों से जीते थे और 2024 में केवल 1 लाख 52 हजार वोटों े।2014 के चुनाव में भी 3 लाख 71 हजार वोटों का अंतर था। मगर 024 वाटर लू होते होते बचा। उसके बाद से मोदी वापस अपना ात्मविश्वास प्राप्त नहीं कर पाए। कहां वे भारत की कुशल वायुसेना को ह तक बता देते थे कि पाक अधिकृत कश्मीर के आतंकवादी ठिकाने पर हमला करने के लिए जहाज को तब लेकर जाओ जब बादल हों। सरकारी एजेंसियां खोजेंइतने अति आत्मविश्वास में होते थे कि साइंस की नई खोज कर दी थी कि बादलों में रडार काम नहीं करता है। सेना को चुप रह जाना था। वह रही और अपना काम कर आई। मगर मोदी उस समय ऐसे ही आत्मविश्वास में थे कि जो मैं कहूंगा वह हो जाएगा।इससे पहले उन्होंने कहा था कि नाले के गैस से चाय बन सकती है। तो यह सब जीत का आत्मविश्वास था। लग रहा था कि मैं हार ही नहीं सकता। जनता वही करेगी जो मैं चाहूंगा। जनता के लिए मैं कुछ करूं, ना करूं! जनता को मुझ में कुछ दिखता है। जिसे उन्होंने बाद में ईश्वरीय अंश भी कहा था। खुद को नान बायलोजिकल। सीधे अवतरण। तो एक वह दौर था।

लेकिन उसे फिर राहुल ने अपनी दो यात्रा, और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनकर वहां प्रधानमंत्री मोदी के सामने रोज नई चुनौती पेश करके ऐसा बदला कि अभी पिछले लोकसभा के मानसून सत्र में मोदी और उनके सबसे विश्वस्त सहयोगी अमित शाह दोनों लोकसभा में आ ही नहीं पाए।

खेल इस तरह बदल जाएगा किसी ने नहीं सोचा था। संसद के इससे पहले के बजट सत्र में भी प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देने लोकसभा में नहीं आ पाए। साफ तौर पर कारण डर को बताया गया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि मैंने उन्हें मना किया। सदन में उन्हें विपक्ष की महिला सदस्यों की तरफ से खतरा था!

ऐसा कभी नहीं हुआ। एक कि प्रधानमंत्री धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब न दें। और दूसरे वे सदन के अंदर महिला सदस्यों से खतरा महसूस करें। यहीं से बाजी पलटना शुरू हो गई। इसलिए अब केवल ऐसे अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों से ही मोदी कुछ समय के लिए आत्मविश्वास पाते हैं। मगर फिर जल्दी ही सच्चाई का सामना हो जाता है कि छात्र और युवा भारी आक्रोश में हैं। जनता की समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही हैं और उनके पास इन सबका कोई हल नहीं है। उनका एकमात्र दांव हिन्दू-मुसलमान चल नहीं पा रहा है।जनता समझ चुकी है कि उसे हिन्दू-मुसलमान के नाम पर बहुत बेवकूफ बनाया गया। उसकी जिन्दगी खराब कर दी। और अगर अब भी वह चुप रही हिन्दू-मुसलमान के नशे में डूबी रही तो उसके बच्चों की जिन्दगी भी खराब हो जाएगी। खुद बच्चे भी यह समझ गए हैं। इसलिए पहले छात्र और युवा आए जिन्हें जेन जी कहा गया फिर स्कूली बच्चे, किशोर। जो जेन अल्फा कहला रहे हैं। 16 साल तक के लड़के-लड़कियां।

राहुल इन सबकी आवाज बने। 17 जून को उन्होंने कोटा में छात्रों का एक पहला सम्मेलन किया। उसकी सफलता के बाद देहरादून, प्रयागराज, पुणे जो केवल छात्रा सम्मेलन था और अभूतपूर्व सफल हुआ के बाद अब वे इन्दौर में इस गूंज सीरिज का पांचवा सम्मेलन करने जा रहे हैं। पिछले चारों मौकों पर राज्य सरकारों ने सम्मेलन की जगह देने में आखिरी आखिरी तक व्यवधान डाले। जगह दे कर कैंसिल की। अनमोल विचार पढ़ें

देहरादून में जो जगह पहले दी थी उसे कैंसिल की और वहीं म्यूजिक का बड़ा कार्यक्रम आयोजित कर दिया कि आज की युवा पीढ़ी इसमें बहुत रुचि लेती है वहां आ जाएगी। प्रोग्राम भी बिना टिकट का। मगर छात्र वहां न जाकर राहुल के प्रोग्राम में पहुंचे। प्रयागराज में तो सभा स्थल पर सीवर का गंदा पानी छोड़ दिया गया। लेकिन यह सारी बाधाएं न राहुल को रोक पाईं, न छात्रों को।अब इन्दौर में छात्रों के सम्मेलन के लिए जो जगह मांगी थी नेहरू स्टेडियम नहीं दी। कांग्रेस का ही बनाया हुआ है और कांग्रेस छात्रों के लिए मांग रही है मगर नहीं दिया। मध्य प्रदेश में 23 साल से भाजपा की सरकार है। कुछ इन्होंने बनाया? नहीं।

मगर जो कांग्रेस का बनाया हुआ है वह भी नहीं दे रहे।दूसरी जगह रीजनल पार्क के सामने का मैदान मांगा। काफी अड़ंगे डालने के बाद उसके लिए दस लाख से ज्यादा रुपए जमा करवाए। वह भी कांग्रेस ने कर दिए। मगर फिर भी अभी तक फाइनल मंजूरी नहीं मिली है।यह किसका डर है? छात्रों का? राहुल का? या दोनों का? यह डर अब शिफ्ट हो गया है। पहले जनता डरी हुई थी। अब सरकार डरी हुई है। छात्र और युवाओं के सामने आने से सब में हौसला आया है। प्रधानमंत्री मोदी जो अतीत की यहां तक कि हजार साल पहले तक की बात करके लोगों को बहकाते थे वे अब सफल नहीं हो रहे हैं।

राहुल की वर्तमान की, भविष्य की बातें लोगों को खास तौर से छात्रों, युवाओं का समझ में आने लगी हैं। नफरत और विभाजन के परिणाम उन्होंने देख लिए। पहले हिन्दू-मुसलमान किया। अब जाति-जाति को आपस में लड़वा दिया। देश में इस समय अगड़े-पिछड़े के बीच जो तनाव आरोप प्रत्यारोप और यहां तक कि सोशल मीडिया पर गाली-गलौज तक चल रहा है वह भयावह है।

महिलाओं

की इन बातों में दखलंदाजी पुरुषों को बिल्कुल नहीं पसंद

पुरुषों और महिलाओं का नेचर एक दुसरे से बिल्कुल डिफरेंट होता है। उनके सोचने, बात करने, उन्हें देखने से ही मिजाज का पता लग जाता है कि उनका मूड किस तरह का है। एक तरफ जहां उन्हें प्यार, सरप्राइज, फेवरेट डिश खिलाकर उनका दिल जीता जा सकता है वहीं दूसरी ओर उन पर बेवजह की रोक-टोक, शक, गुस्सा करके आप उनके गुस्से की वजह भी बन सकती हैं। आपकी ये बाते बेवजह कलेश का कारण बन सकती हैं इन सभी बातों के इलावा भी महिलाओं की कई एसी आदते होती हैं जो कि पुरूषों को बिल्कुल नहीं पसंद आतीं। एक्स से तुलना करना इस बात को हमेशा याद रखें कि आपके ब्वॉयफ्रेंड को आपके एक्स के बारे में जानने में कोई दिलचस्पी नहीं और न ही वो ये पसंद करेंगे कि आप हर चीज में उनकी तुलना अपने एक्स से करें। किसी दूसरे की तारीफ सुनना

महिलाएं अपने ब्वॉयफ्रेंड या पति से किसी दूसरी महिला के बारे में सुनना बिल्कुल भी पसंद नहीं करतीं जब तक वो उनकी कोई बहुत ही खास न हो।

लापरवाही करना

पुरुषों को महिलाओं की इस बात से सबसे ज्यादा उबन होती है। जब वो परेशान होती हैं, उनकी तबियत खराब होती है या कुछ कहने की कोशिश कर रही होती हैं लेकिन इस बारे में डायरेक्टली पूछने पर अक्सर वो 'नहीं, कुछ नहीं', ' मैं बिल्कुल ठीक हूं।' जैसे जवाब देकर टाल जाती हैं।

शादी और बच्चे की प्लानिंग

पुरुषों से एक ही सवाल बार-बार पूछना उनकी खीझ को बढ़ावा देता है। शादी और बच्चों के बारे में बातें करना उन्हें बिल्कुल भी पसंद नहीं होता। तो बेहतर होगा अगर आप किसी रिलेशनशिप में हैं तो इन टॉपिक्स को छेड़ने से पहले उनके मूड को भाप लें।

स्पेस छीनने की कोशिश

पुरुष रिलेशनशिप हो, शादी हो या बच्चों की जिम्मेदारी सबको एक साथ लेकर चलने के लिए उन्हें वक्त के साथ ही स्पेस चाहिए होता है जिसमें वो किसी की दखलंदाजी पसंद नहीं करते। इसलिए जब वो आराम से बैठे हो तो उन्हें परेशान न ही करना बेहतर होगा।

फैमिली को लेकर कमेंट

पुरुषों की गुड लिस्ट में शामिल होना है तो भूलकर भी उनकी मां, उनके भाई-बहन यहां तक कि उनके पेट्स को लेकर भी किसी तरह का कोई कमेंट न करें। उनके साथ जितना घुल-मिल कर रहने की कोशिश करेंगी उतना ही उन्हें अच्छा लगेगा।

कामकाजी महिलाओं का 'सपोर्ट सिस्टम'

लंच टाइम में विभा को चुप-चुप-सा देखकर सभी ने उसकी उदासी का कारण पूछा। विभा के घर में उसकी नौकरी को लेकर तनातनी चलती रहती थी। सास नहीं चाहती थी कि विभा नौकरी करे, मगर विभा अपनी योग्यता और अनुभव को यूँ ही नहीं बेकार जाने नहीं देना चाहती थी। सभी महिलाओं ने उसकी समस्या को सुना, समझा और जरा-सी देर में विभा के पास सुझावों का ढेर मौजूद था।

साथी महिलाओं की सलाह पर अमल कर विभा ने अपनी गलतियों को भी दुरुस्त किया और आखिरकार सासू माँ को मना ही लिया। अंजू को खाना बनाना नहीं आता था, और शादी हुई ऐसे व्यक्ति से, जो खाने का भयंकर शौकीन... अंजू की तो जान पर बन आई। उसने अपनी समस्या अपने दफ्तर की सहेलियों को बताई और चुटकी बजाते ही उसके पास हाजिर थीं ढेरों रेसिपीज... । यही नहीं, उसकी सहेलियों ने उसे घर बुलाकर कई डिशेज बनाना भी सिखाया।

प्रकृति ने स्वभाववश ही नारी को स्नेह, करुणा, संवेदना, सहिष्णुता सामंजस्य आदि गुणों से सँवारा है और आज नारी केवल घर में ही नहीं, बाहरी दुनिया में भी इसी अजस्र प्रेम की धार बहाती नजर आती है। सीमा की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। वह बेटे को इंजीनियरिंग की कोचिंग करवाना चाहती थी, मगर रुपयों का इंतजाम नहीं हो पा रहा था। एक दिन परेशान हालत में उसके अपने दफ्तर में इसका उल्लेख किया और उसकी समस्या झट से सुलझ गई। उसकी सहेलियों ने उसके लिए रकम का इंतजाम कर दिया जिसे बाद में किस्तों में सीमा ने लौटा भी दिया।

तेजी से बदले आर्थिक समीकरणों ने नारी को दहलीज के बाहर कदम रखने को प्रेरित किया और घर के हर व्यवहार को चुस्त-दुरुस्त रखते हुए नारी ने बाहरी दुनिया के कार्य व्यवहार जमाने में भी उतनी ही दक्षता का परिचय दिया।

प्रकृति ने स्वभाववश ही नारी को स्नेह, करुणा, संवेदना, सहिष्णुता सामंजस्य आदि गुणों से सँवारा है और आज नारी केवल घर में ही नहीं, बाहरी दुनिया में भी इसी अजस्र प्रेम की धार बहाती नजर आती है। घर में कोई त्योहार हो तो विशेष पकवान केवल घर के लिए ही नहीं, दफ्तर के संगी-साथियों के लिए भी विशेष रूप से बनाए जाते हैं और उन्हें उसी स्नेह के साथ खिलाया भी जाता है।

दफ्तर में किसी एक की समस्या सारे समूह की समस्या बन जाती है और सारा समूह सिर जोड़कर उसे हल करने में जुट जाता है। कहा जाए तो पुरुषों की तुलना में नारी ने यहाँ भी अपनी गुणवत्ता सिद्ध की है। पुरुष स्वभावत: कम बोलने वाले और संकोची होते हैं। उस पर किसी को अपनी समस्याएँ बताना ? उनका अहं हमेशा आड़े आ जाता है और सालों का साथ भी दफ्तर के कर्मचारियों में वह लगाव पैदा नहीं कर पाता।

सीधे शब्दों में कहा जाए तो पुरुष अवसर का उपयोग नहीं कर पाते व समूह का फायदा भी नहीं ले पाते। बनिस्बत इसके नारी थोड़े-से ही समय में न केवल आपस में स्नेह बंधन बुन लेती है, वरन विविध दिमागों में तैरते विविध विचारों का फायदा भी उठा लेती है।

अक्सर यह सोचा जाता है कि जब ये महिलाएँ बातें करती हैं तो या तो वे घर-परिवार की बुराई करती हैं या फिर साड़ी-गहनों की बातें..., मगर यह बिलकुल गलत है...। एक मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत पूनम बोली... यहाँ आकर मैंने कितनी ही नई बातें सीखीं। वे बातें आचार-व्यवहार से लेकर पढ़ाई तक हर तरह की है। मैंने तो अपनी बीएड की डिग्री अपनी सहेलियों की मदद से ही ली है।

गर्भावस्था के दौरान खूब खाएं अखरोट, अनेको हैं फायदे

अखरोट ऊर्जा का बेहतर स्रोत है। साथ ही इसमें शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्व, मिनरल्स, एंटीआक्सीडेंट्स, ओमेगा -3 फैटी एसिड और विटामिन्स प्रचुर मात्रा में मौजूद होते हैं जो मां और उसके अजन्मे बच्चे के लिए बहुत लाभकारी होता है।

गर्भवस्था के समय महिलाओं को अपने स्वास्थ का बहुत ध्यान रखना चाहिए, साथ ही अपने खान पान का भी। याद रहे जो आप खायेंगी वह सब आपके बच्चे तक पहुंचेगा। इसलिए अगर मां अच्छा और स्वास्थवर्धक भोजन खायेगी तो बच्चा भी अच्छे से बड़ा होगा।

गर्भवती महिलाओं के फैटी एसिड वाली चीजें जैसे कि अखरोट खाने से उनके होने वाले बच्चे को फूड एलर्जी का जोखिम कम होता है। इसे खाने से बच्चे की ग्रोथ के लिए आवश्यवक तत्व भी मिल जाते हैं।

आज हम आपको अखरोट की ऐसी ही कुछ खूबियां बताने जा रहें है:

उच्च रक्तचाप कम करता है

गर्भावस्था के दौरान अखरोट खाने से कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने से उच्च रक्तचाप को कम करने में मदद मिलती है। यह शरीर में बुरे फैट को कम कर अच्छे फैट की मात्रा बढ़ता है।

बच्चे के सही विकास के लिए अखरोट में मौजूद कॉपर भ्रूण के सामान्य विकास के लिए आवश्यक है। अखरोट में मौजूद फैटी एसिड (अल्फा-लिनोलेनिक एसिड) बच्चे के दांतों और हड्डियों के विकास में मदद करता है।

मां की इम्युनिटी बढ़ाता है यह बहुत जरुरी है कि मां बनने वाली महिलाएं भी अपना ध्यान रखें। जिससे वो किसी भी इन्फेक्शन की शिकार ना हों, और इसके लिए उन्हें चाहिए कि उनकी इम्युनिटी मजबूत हो। अखरोट में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन ई, पॉलीफिनॉल, और कॉपर यह होने वाली मां की इम्युनिटी बढाती है।

ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाता है अखरोट गर्भावस्था के दौरान शरीर के आंतरिक सूजन को कम करने में मदद करता है साथ ही ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ता है। इससे बच्चे तक ज्यादा खून पहुचता है जिससे उसे मां के शरीर में ज्यादा ऑक्सीजन और पोषक तत्व पहुँचते हैं।

वजन को नियंत्रित करे अखरोट प्रोटीन और फाइबर प्रचुर मात्रा में होता है जिससे आप ज्यादा खाना नहीं खाती हैं। अखरोट खाने से आप जंक फूड खाने से दूर रहती हैं जिससे आप मधुमेह से भी बची रहती हैं।

अच्छी नींद के लिए गर्भावस्था के दौरान अखरोट खाने से आपको अच्छी नींद आएगी। अखरोट खाने से गर्भवती महिलाओं में मेलाटोनिन नाम का हार्मोन बनता है जिससे उन्हें अच्छी नींद आती है।

मेहनत पहचान है मेरी

मध्यम वर्ग की कामकाजी महिलाएं अपना सपोर्ट सिस्टम बनाने के लिए कितना कुछ खर्च कर देती हैं। बच्चे के रखरखाव के लिए फुल टाइम मेड रखना बहुत मंहगा है। बच्चे को क्रेच छोड़ना भी अच्छी खासी मशक्कत है। उसे लाना ले जाना तो भारी पड़ता ही है। इस सेवा का भुगतान करना भी कोई कम मंहगा नहीं। उस पर ट्यूशन का भी खर्च है। इसके साथ ही कपड़ों की धुलाई, ट्रांसपोर्ट और अन्य ढेर सारे खर्चे ऐसे हैं जिन्हें महिलाएं घर में रहने पर बचा सकती हैं। फिर अपनी मेंटीनेंस भी तो है। बाहर निकलने के लिए अच्छे कपड़े, फुटवियर और कॉस्मेटिक्स भी चाहिए। जितनी तनख्वाह है कमोबेश बाहर आने की लागत में ही खर्च हो जाती है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि वे अपनी भागदौड़ किसलिए बनाए हुए हैं? ऐसी कोई संतुष्टि तो है जो उन्हें इतना कुछ करने का हौसला देती है। दुनियाभर की मुश्किलों का सामना करने का साहस देती है।

बढ़ जाती है अहमियत

एक सैटिसफैक्शन है कि सोसाइटी को कुछ दे रहे हैं। बारह महीने में अगर 120 बच्चों को भी अच्छी तरह से पढ़ा दूं तो लगता है कि कुछ प्राप्त किया है। बेहतर समाज के निर्माण में कोई भूमिका निभाई है। कहती हैं अध्यापिका सरिता दास। वह ग्यारह साल तक हाउसवाइफ रहीं, सभी कुछ ठीक था, लेकिन अपनी पहचान बनाने और समाज को अपनी सेवाएं देने के उद्देश्य से उन्होंने आखिर जॉब करने की ठान ली। वह मानती हैं कि जब घर में थीं तब भी उनका खर्चा अच्छा चलता था और बाहर निकलने पर अब उनके खर्चे बढ़ गए हैं, लेकिन अपनी जिंदगी में आए बदलावों से वह खुश हैं। वह कहती हैं, मैंने देर से नौकरी शुरू की। जब बच्चा चार साल का हो गया तब। जॉब करने के बाद मुझे ऐसा लगा जैसे मेरी अहमियत बढ़ गई है।

समाज में हाउसवाइफ को इतनी इज्जत नहीं मिलती जितनी मिलनी चाहिए। दूसरे, अब मेरे पास गॉसिप्स के लिए टाइम ही नहीं है। घर में किचकिच, पति से आरग्यूमेंट और इनलॉज के साथ बहस करने का तो अब समय ही नहीं होता। काम करने का सैटिसफैक्शन भी है और घर में शांति का सुकून भी।

अपनी आइडेंटिटी के लिए

सरिता दास के बेटे ने फोटोग्राफी को अपना प्रोफेशन चुना है। बेटे के कैमरे और अन्य सामानों पर उन्हें लाखों खर्च करना पड़ा। इस खर्च को वह मैनेज कर पाई, कहीं से लोन नहीं लेना पड़ा, इसकी खुशी है उन्हें। बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा दिलवाना हर माता-पिता की ख्वाहिश होती है। आमतौर पर घर के लाइफस्टाइल में बदलाव लाने और बच्चों के लिए ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं जुटाना भी महिलाओं की जॉब का सबब बनता है। इसके लिए उन्हें कई तकलीफों का सामना करना पड़ता है, खर्चा भी बढ़ता है, लेकिन वे अपनी जॉब को रेगुलर रखती हैं। हां, जब उन्हें लगता है कि नन्हें बच्चे को उनकी ज्यादा जरूरत है तो वे ब्रेक लेने से भी परहेज नहीं करतीं। पुणे की एक कंपनी की रिक्रूटमेंट स्पेशलिस्ट त्रह्मा पटनायक कहती हैं, मुझे अपने छोटे बच्चे को क्रेच में छोड़ना पड़ता था। पास में कोई फैमिली मेंबर नहीं था उसकी देखभाल के लिए। बच्चे की मुश्किलें देखकर मुझे जॉब छोड़नी पड़ी, लेकिन घर पर मुझे अपनी जिंदगी अनार्थक लगने लगी। मुझे महसूस होने लगा कि ज्यादा अर्न करेंगे तभी तो ब%चे को अच्छी शिक्षा दिलवा सकेंगे। उन्हें अच्छे स्तर की परवरिश दे सकेंगे। जब दिल्ली से मम्मी मेरे पास रहने के लिए आ गई, तब फिर से मैंने नौकरी जॉएन कर ली। नो डाउट मुश्किलें बहुत हैं, लेकिन अपनी आइडेंटिटी भी तो है, जो दिल को खुशी देती है।

आर्थिक आजादी है मुद्दा

आर्थिक आजादी की चाहत भी महिलाओं को घर से बाहर निकलकर नौकरी के विकल्प ढूंढ़ने के लिए प्रेरित करती है। एक मार्केट रिसर्च फर्म के मुताबिक शहरी महिलाओं की आमदनी में वृद्धि हुई है। यह तकरीबन दोगुनी हो गई है। रिसर्च के मुताबिक इस बदलाव का सीधा असर महिलाओं की हैसियत और घर के रखरखाव पर पड़ता दिख रहा है। महिलाएं अब पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा आत्मविश्वास से खरीददारी करती हैं। उनकी खरीददारी महज अपने लिए नहीं, परिवार की जरूरतें पूरी करने के लिए भी होती है। समझदारी से खर्च करने का यह गुण भी उनमें पुरुषों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। सरिता कहती भी हैं, जॉब में आने के बाद इकोनॉमिक इंडिपेंडेंस तो आई ही है। पहले हर छोटी से छोटी चीज के लिए पति से पैसे मांगने पड़ते थे। छोटी-छोटी बात के लिए भी पूछना पड़ता था। अब खुद भी खरीद सकती हूं। कुछ ऐसा ही त्रह्मा भी कहती हैं, खर्चे बढ़े हैं तो माइनस-प्लस करेंगे, लेकिन जॉब करते हैं तो हाथ खुला रहता है। जब मन करे तब जो चाहो खरीद लो।

हिन्दी दैनिक प्रातःकाल एक्सप्रेसः- स्वामी, प्रकाशक, फिरदौस फातिमा द्वारा एफ-1, अनमोल होम, प्लाट नं0 53, गोविन्द गार्डेन, राइसेन रोड़, भोपाल मध्य प्रदेश-462023 से प्रकाशित एवं अशोक कुमार खुराना, द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रचर एण्ड सर्विस प्रा.लि. करोंद भानपुर बाइपास रोड़ भोपाल मध्य प्रदेश-462037 से मुद्रक। पंजीयन संख्या : MPHIN/26/A1603, संपादकः परवेज आलम,मो0 9336781957, पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। इससे उत्पन्न समस्त विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद न्यायालय भोपाल होगा।

धनश्री वर्मा

के घर आए गणेश जी, सुनीता आहूजा-शिल्पा शेट्टी ने धूमधाम से किया गणपति बप्पा का स्वागत

गणेश चतुर्थी की शुरुआत धूमधाम से हो गई है. सभी अपने घर में बप्पा का स्वागत कर रहे हैं. हर साल ये त्योहार बड़े हर्ष और उल्लास से मनाया जाता है और अंत में बप्पा का विसर्जन सभी की आंखें नम कर देता है. ये बप्पा के प्रति लोगों का प्रेम और श्रद्धा भाव दिखाता है जो वर्षों से चला आ रहा है. बॉलीवुड के स्टार्स भी बप्पा की आराधना करते हैं. अब बप्पा के आगमन की प्रक्रिया शुरू हो गई है. हर साल की तरह शिल्पा शेट्टी ने अपने घर पर बप्पा की स्थापना कर ली है. सुनीता आहूजा ने भी बप्पा का हर्ष और उल्लास के साथ स्वागत किया. वहीं अन्य स्टार्स भी बप्पा की मूर्ति की स्थापना अपने घरों में कर रहे हैं.अंकिता लोखंडे ने भारी बारिश के बीच बप्पा का आगमन अपने घर में किया. वहीं धनश्री वर्मा ने भी नाचते-गाते हुए बप्पा का स्वागत किया है. इस दौरान की फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं.

सुनीता आहूजा ने किया बप्पा का स्वागत

गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा हमेशा लाइमलाइट में रहती हैं. उन्होंने बड़ी धूमधाम से बप्पा का

अपने घर में स्वागत किया है. वे खुशी से झूमती नजर आ रही हैं और काफी उत्साहित लग रही हैं. डांस करते हुए उनका वीडियो भी वायरल हो रहा है. इसी के साथ लोग उनसे ये भी पूछ रहे हैं कि इस मौके पर गोविंदा कहां हैं.

धनश्री ने झूमते-नाचते किया बप्पा का स्वागत

धनश्री ने भी बप्पा का धूमधाम से स्वागत कर लिया है. इस मौके पर अपनी फैमिली संग नजर आईं और झूमते-नाचते हुए बप्पा की मूर्ति अपने घर लेकर आईं. उनता वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.

शिल्पा शेट्टी ने किया बप्पा का स्वागत

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी का बप्पा प्रेम जगजाहिर है. उन्होंने भी धूमधाम से बप्पा का स्वागत किया है. शिल्पा इस दौरान अपने पति राज कुंद्रा संग नजर आ रही हैं. पैप्स के सामने ही उन्होंने बप्पा की मूर्ति की झल्कियां दिखाई हैं. हर बार शिल्पा शेट्टी अपने घर में चतुर्थी के शुभ अवसर पर बप्पा की स्थापना करती हैं और श्रद्धा भाव से उनकी पूजा करती हैं.शिल्पा शेट्टी के अलावा एक्ट्रेस अर्चना लोखंडे ने भी भारी बारिश के बीच बप्पा की मूर्ति अपने घर में स्थापित की. उनके भी वीडियोज वायरल हो रहे हैं. और भी स्टार्स अपने घर में बप्पा का स्वागत कर रहे हैं और उनके वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं.

बर्थडे सेलिब्रेशन के बाद मिस्ट्री गर्ल संग दिखे एल्विश यादव, वीडियो हुआ वायरल

एल्विश यादव अब टीवी पर एक बड़ा नाम बन चुके हैं. यूट्यूब वीडियो से शुरुआत करने वाले एल्विश अब रिएलिटी शो में अपनी दमदार पर्सनैलिटी के लिए जाने जाते हैं. एल्विश कई म्यूजिक वीडियोज में भी नजर आ चुके हैं. 13 सितंबर को एल्विश 29 साल के हो गए हैं. मुंबई में यूट्यूबर ने अपना 29वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया, जिसके लिए उन्होंने ग्रैंड पार्टी भी होस्ट की थी. इस पार्टी में उनके कई सेलिब्रिटी दोस्त भी शामिल हुए थे. लेकिन पार्टी के बाद की एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है. दरअसल, उस वीडियो में एल्विश मिस्ट्री गर्ल के साथ नजर आ रहे हैं.

जी हां, सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में एल्विश एक मिस्ट्री गर्ल के साथ अपनी बर्थडे पार्टी से बाहर निकलते नजर आए. वायरल हो रहे वीडियो में एल्विश कैजुअल ब्लैक आउटफिट में नजर आ रहे हैं. उनके साथ एक मिस्ट्री गर्ल भी दिखाई दी, जो पैपराजी से अपना चेहरा छिपाने की कोशिश कर रही थी. ऐसा लग रहा था कि वह कैमरे के सामने नहीं आना चाहती थी.

एल्विश के साथ कौन थी मिस्ट्री गर्ल ?

सोशल मीडिया पर जब से वीडियो सामने आया है तब से हर कोई जानना चाहता है कि आखिर एल्विश के साथ वो मिस्ट्री गर्ल कौन थी? कई लोग अंदाजा लगा रहे हैं कि एल्विश के साथ उनकी गर्लफ्रेंड हैं. लेकिन जानकारी के मुताबिक, एल्विश के साथ नजर आई महिला कंटेंट क्रिएटर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर इफा खैर हैं.

इफा भी एल्विश की बर्थडे पार्टी में शामिल हुई थीं. उन्होंने सेलिब्रेशन के दौरान ओरी के साथ अपनी एक तस्वीर भी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की थी. अब एल्विश और इफा की साथ में स्पॉटिंग के बाद कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं, लेकिन दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते या आपसी बॉन्ड को लेकर कोई रिएक्शन नहीं दिया है.

एल्विश की पार्टी में कौन-कौन ?

एल्विश यादव की बर्थडे पार्टी में शिवांगी जोशी, तेजस्वी प्रकाश, करण कुंद्रा, जैस्मिन भसीन, अली गोनी, अंकिता लोखंडे, विक्की जैन, योगेश रावत, समर्थ जुरेल, नुसरत भरूचा, ईशा मालवीय, आरजे महवश, अर्जुन बिजलानी, फरहाना भट्ट और ओरी समेत कई सितारे पहुंचे थे.

मुझे टच वच पसंद नहींज्आसिफ के ताली देने पर भड़कीं उदिती

टेलीविजन का कॉन्ट्रोवर्शियल रिएलिटी शो बिग बॉस 20 का आगाज हो चुका है. शो को एक हफ्ते से ज्यादा हो गया है और रोज ही नए- नए मुद्दे देखने को मिल रहे हैं. अब तक ये तो साफ नहीं हो पाया है कि कौन किस ग्रुप में है. लेकिन एक दूसरे के साथ झगड़ा और अनबन हर किसी की देखने को मिल रही है. सबसे पहले आम्रपाली और अरशिफा की अनबन हुई. इसके बाद यंग डीएस ए और काजी तौकीर एक दूसरे से लड़ भिड़े थे. अब तक सबसे ज्यादा जिसका गुस्सा देखने को मिला है वो हैं आसिफ खान. एक्टर घर के कई कंटेस्टेंट्स के साथ लड़ चुके हैं. इस बार तो उनका झगड़ा घर में सबसे शांत रहने वाली कंटेस्टेंट्स उदिति सिंह से हुआ है.

जी हां, शो के अपकमिंग एपिसोड का एक प्रोमो सामने आया है, जिसमें उदिति और आसिफ के बीच बहस होती हुई नजर आई है. उदिति का आरोप है कि उन्हें बिना मतलब के कोई टच करे ये पसंद नहीं है. आखिर आसिफ ने ऐसा क्या कर दिया है, जिसके बाद उदिति का गुस्सा बाहर आ गया है. चलिए जानते हैं.

उदिति और आसिफ के बीच हुआ झगड़ा

सामने आए प्रोमो में देखने को मिला है कि आसिफ ने कुछ बात करते हुए उदिति को ताली मारी थी. जिसके बाद इस बात को लेकर एक्ट्रेस ने नाराजगी जाहिर की थी. वहीं, आसिफ ताली मारने वाली बात पर उदिति से कहने आते हैं कि अगर आपको जोर से लग गई थी तो उसके लिए सॉरी मेरा कोई गलत इंटेंशन नहीं था. लेकिन उदिति जवाब में कहती हैं कि उन्हें वो बदतमीजी लगी थी और आसिफ ने जानबूझकर तेज मारा था. इस बात आसिफ चौंक जाते हैं. फिर उदिति जवाब देती हैं कि- 'मुझे बिना बात के टच-वच पसंद नहीं है.'

ये बात सुनकर आसिफ भड़क जाते हैं और कहते हैं कि एंटरटेन करने के लिए टैलेंट चाहिए. लेकिन लेस टैलेंटिड हैं तो फिर क्या करें. ये बात सुनकर उदिति भी भड़क जाती हैं और कहती हैं आप पर्सनल मत जाइए. फिर आसिफ चिल्लाते हुए कहते हैं कि- अगर आप तीन पन्ने का भाषण देंगी तो मैं भी 6 पन्ने का भाषण दूंगा. इस बहस में उदिति आसिफ को बकवास आदमी तक कह देती हैं.अब देखना होगा कि ये लड़ाई कितने आगे जाती है. एपिसोड आज यानी 14 सितंबर को राज 9:30 बजे जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगा. वहीं, कलर्स टीवी पर 10:30 बजे प्रसारित किया जाएगा.

अंजलि अरोड़ा

की 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' को मिला 'हनुमान अंश' का साथ, एक्ट्रेस ने शोभिनव से की मुलाकात

सोशल मीडिया स्टार और एक्ट्रेस अंजलि अरोड़ा जल्द ही फिल्म 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' में नज़र आने वाली हैं. इस फिल्म में वो माता सीता का रोल निभा रही हैं. पिछले महीने इस फिल्म का टीज़र रिलीज़ किया गया था. अब अंजलि अरोड़ा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म 'हनुमान अंश' के लीड एक्टर शोभिनव सत्य के साथ कुछ तस्वीरें शेयर की हैं. इसके साथ ही उन्होंने शोभिनव को फिल्म की बंपर सफलता के लिए बधाई दी और साथ में बताया कि उन्हें भी अपकमिंग फिल्म के लिए शोभिनव की ओर से शुभकामनाएं मिली हैं.अंजलि अरोड़ा ने इंस्टाग्राम पर शोभिनव सत्य के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, आज हनुमान अंश के स्टारकास्ट शोभिनव सत्य जी से मिलकर उन्हें हनुमान अंश के लिए बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दीं. साथ ही अपनी आने वाली फिल्म 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' के लिए उनसे ढेर सारी शुभकामनाएं और आशीर्वाद लिया. ईश्वर का आशीर्वाद हम सभी पर यूं ही बना रहे. जय श्री राम. जय बजरंगबली.

कच्चा बादाम गर्ल बनीं सीता

अंजलि अरोड़ा टिकटॉक के दौर की सोशल मीडिया स्टार हैं. उनका कच्चा बादाम गाने पर बनाया गया टिकटॉक वीडियो काफी वायरल हुआ था, जिसके बाद वो रातों रात स्टार बन गई थीं. उन्हें 'कच्चा बादाम गर्ल' का टैग मिल गया था. अब अंजिल बड़े पर्दे पर डेब्यू करने वाली हैं. 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' का निर्देशन अभिषेक सिंह ने किया है. फिल्म में देव शर्मा भगवान राम के किरदार में नज़र आ रहे हैं. इस फिल्म को मेकर्स 25 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ करने वाले हैं.

'हनुमान अंश' की बंपर कमाई

'हनुमान अंश' भारत की उन फिल्मों में शामिल हो गई है, जिन्होंने बेहद कम बजट में बंपर कमाई की है. इस फिल्म को करीब 2 करोड़ रुपये के बजट में तैयार किया गया है.

सीनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप के चयन ट्रायल्स में निशु का दमदार प्रदर्शन, काजल और नीलम भी जीतीं

एजेंसी

नई दिल्ली। पहलवान निशु ने राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स में 53 किग्रा वर्ग में जीत हासिल की। इसके साथ ही उन्होंने सीनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2026 में जगह बनाने के लिए एशियन गेम्स के लिए चुनी गई अंतिम पंघाल के खिलाफ अंतिम ट्रायल मुकाबले का रास्ता तय कर लिया। निशु ने इंदिरा गांधी स्टेडियम में 53 किग्रा कैटेगरी के कड़े फाइनल मुकाबले में थिश्का को हराया। निशु और अंतिम के बीच होने वाला फाइनल ट्रायल यह तय करेगा कि कजाकिस्तान के अस्ताना में 24 अक्टूबर से 1 नवंबर तक होने वाली सीनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में इस कैटेगरी में भारत का प्रतिनिधित्व कौन करेगा। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की चयन नीति के तहत, सोमवार के ट्रायल के विजेताओं को सीनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में जगह पाने के लिए एशियन गेम्स में जाने वाले पहलवानों को फाइनल ट्रायल में चुनौती देने का अधिकार मिल गया है। फाइनल ट्रायल बाद में आयोजित किया जाएगा।

एटीपी रैंकिंगः जोकोविच 7 पायदान नीचे खिसके, 24 साल बाद पहली बार 'टॉप 10' से 'बिग 3' नदारद

नई दिल्ली। यूएस ओपन के पहले ही राउंड में नोवाक जोकोविच को चौंकाने वाली हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद जारी एटीपी रैंकिंग में वह 'टॉप 10 से बाहर होकर 12वें स्थान पर खिसक गए। जोकोविच को पहले ही राउंड में अर्जेंटीना के मारियानो नावोन के हाथों शिकस्त मिली थी। अक्टूबर 2002 के बाद ऐसा पहली बार है, जब 'बिग थ्री' (जोकोविच, राफेल नडाल और रोजर फेडरर) में से कोई भी एटीपी रैंकिंग के 'टॉप-10' में शामिल नहीं है। 20 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता फेडरर ने साल 2022 में संन्यास लिया था, जबकि 22 बार के मेजर विजेता नडाल ने 2024 में खेल को अलविदा कह दिया था। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच 39 साल की उम्र में भी खेल रहे हैं और उन्हें अपने 25वें मेजर खिताब की उम्मीद है, जिससे वे मार्गरेट कोर्ट के 24 खिताबों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देंगे।हालांकि, 25वें खिताब की उनकी हालिया कोशिश तब खत्म हो गई जब मारियानो नावोन के खिलाफ मैच के दौरान उन्हें शारीरिक परेशानी और उल्टी हुई।

भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने शुरू की 'बंगाल फुटबॉल एकेडमी' बनाने की पहल

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मिथुन चक्रवर्ती ने 'बंगाल फुटबॉल एकेडमी' बनाने की पहल फिर से शुरू की है, जिसकी कोशिश करीब 15 साल से जारी है। उन्होंने न्यू टाउन में पूर्व फुटबॉलर्स के साथ एकेडमी की योजना पर चर्चा की। मिथुन चक्रवर्ती की योजना प्रत्येक जिले से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को लाना है। वह पहाड़ी इलाकों पर भी फोकस करेंगे। उनकी योजना शुरुआत में 60 फुटबॉलर्स के साथ एकेडमी शुरू करना है। इसके साथ ही दिग्गज अभिनेता मिथुन ने एकेडमी के वित्तीय योजना के बारे में भी बताया। 'आईएएनएस' के साथ बातचीत में मिथुन चक्रवर्ती ने कहा, 'बीते 15 वर्षों से कुछ हुआ नहीं, क्योंकि मैं शामिल था। मेरा नाम आते ही सब कुछ बैन कर दिया गया। कोई मैदान, कोई फील्ड कुछ नहीं दिया गया... बोल के भी नहीं दिया। इसलिए 15 साल से ये ठप्प पड़ा हुआ था, लेकिन हम लोगों ने एक करोड़ रुपए जमा करके रखे हैं, जो अभी भी बैंक में हैं। अभी इस एकेडमी को चलाने के लिए, इसको ताकत देने के लिए और दो-तीन करोड़ रुपए मैं चंदे से जुटाउंगा, ताकि बंगाल फुटबॉल एकेडमी अच्छी तरह से चल सके। ' उन्होंने कहा, 'हम लोग अभी डिस्ट्रिक्ट में लोगों को भेजेंगे। सब जगह से अच्छे खिलाड़ियों को चुनेंगे। हम 60 खिलाड़ियों को चुनेंगे, जिसमें से आदिवासी खिलाड़ियों पर मेरी ज्यादा नजर है।

चेक गणराज्य फुटबॉल टीम के पूर्व गोलकीपर लुडेक मिकलोस्को का निधन

नई दिल्ली। वेस्ट हैम, क्यूपीआर और चेक गणराज्य फुटबॉल टीम के पूर्व गोलकीपर लुडेक मिकलोस्को का लंबी और गंभीर बीमारी से जूझने के बाद 64 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। मिकलोस्को वेस्ट हैम फुटबॉल क्लब के दिग्गज खिलाड़ी थे। उन्होंने इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब के लिए 300 से ज्यादा मैच खेले। 2021 में उन्हें कैंसर का पता चला था और दिसंबर 2024 में उन्होंने इलाज बंद कर दिया था। वेस्ट हैम ने मिकलोस्को को श्रद्धांजलि दी, जिन्हें 1990-91 में क्लब का 'हैमर ऑफ द ईयर' चुना गया था। वेस्ट हैम ने एक बयान में कहा, 'बहुत गहरे दुख के साथ वेस्ट हैम यूनाइटेड दिग्गज पूर्व गोलकीपर और कोच लुडेक मिकलोस्को के निधन की घोषणा करता है। लुडेक, आप शांति से सोएं; आप हमारे प्यारे, प्रेरणादायक गोलकीपर और एक नेक और बड़े दिल वाले इंसान थे।' वहीं, उनके बेटे मार्टिन मिकलोस्को ने वेस्ट हैम के प्रति अपने पिता के प्यार का जिक्र किया।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए मैरिजेन कैप ने विमेंस बिग बैश लीग से नाम वापस लिया

एजेंसी

मेलबर्न । दक्षिण अफ्रीका की ऑल-राउंडर मैरिजेन कैप ने इंटरनेशनल ड्यूटीज पर फोकस करने के लिए आने वाले विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) सीजन से नाम वापस ले लिया है। कैप मेलबर्न स्टार्स से जुड़ी थीं। कैप, जो डब्ल्यूबीबीएल 10 से पहले तीन साल के अनुबंध पर स्टार्स में शामिल हुई थीं, ने अपने डील के आखिरी साल में नहीं खेलने का फैसला किया है क्योंकि उन्होंने अपना फोकस दक्षिण अफ्रीका के शेड्यूल पर कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका का शेड्यूल डब्ल्यूबीबीएल खत्म होने के ठीक चार दिन बाद 9 दिसंबर को भारत के खिलाफ टेस्ट मैच से शुरू होगा। यह टेस्ट एक मल्टी-फॉर्मेट सीरीज का हिस्सा होगा जिसमें तीन वनडे और तीन टी20 भी शामिल हैं।

इसके बाद दक्षिण अफ्रीका फरवरी में पहली विमेंस चैंपियंस ट्रॉफी में खेलेगी और फिर मार्च से अप्रैल तक एक मल्टी-फॉर्मेट सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करेगी। कैप ने डब्ल्यूबीबीएल में चार टीमों के साथ सभी 11 सीजन में हिस्सा लिया है। उनका 2026 का कैंपेन बीमारी और चोट की वजह से प्रभावित हुआ।

क्लब के जनरल मैनेजर जेम्स रोसेनगार्टन ने कहा, 'हम इस सीजन में मारिजेन जैसी काबिलियत वाले किसी खिलाड़ी के बिना होने से निराश हैं। वह दुनिया की सबसे बेहतरीन ऑल-राउंड खिलाड़ियों में से एक हैं, लेकिन हम इस समय उनकी जरूरतों को समझते हैं और इससे स्टार्स को एक और मौका मिलेगा। '

स्टार्स ने अपनी टीम को मजबूत करने के लिए तेजी से कदम उठाए हैं, और आने वाले सीजन के लिए इंग्लैंड की जोड़ी डैनी गिब्सन और एमी जोन्स को शामिल किया है। इस इंग्लिश जोड़ी ने पिछले साल क्लब के लिए अपने डेब्यू सीजन में असर डाला था।

जोन्स ने 2025 में खुद को तीसरे नंबर के लिए भरोसेमंद विकल्प के तौर पर पक्का किया, उन्होंने 11 मैचों में 234 रन बनाए। टॉप स्कोर 59 रन था। 33 साल की यह खिलाड़ी स्टंप के पीछे भी उतनी ही कीमती थी। उन्होंने खुद को दुनिया की सबसे अच्छी विकेटकीपरों में से एक साबित किया। गिब्सन ने 35 टी20 मैचों में भी अपने देश का प्रतिनिधित्व किया है और वह बल्ले और गेंद दोनों से खतरा साबित होंगी। वह लीग की सबसे अच्छी पावर हिटर्स में से एक हैं, जिन्होंने पिछले टूर्नामेंट में 26 मौकों पर बाउंड्री लगाई और 139.34 के स्ट्राइक रेट से 170 रन बनाए।

जोन्स डब्ल्यूबीबीएल 11 में टीम की दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बनने के बाद स्टार्स में वापस आएंगी, जबकि तेज गेंदबाजी ऑल-राउंडर गिब्सन मेलबर्न की फ्रेंचाइजी के साथ अपने तीसरे सीजन में एंट्री करेंगी।

रोसेनगार्टन ने कहा, 'हमारे लिए यह प्राथमिकता थी कि डैनी और एमी दोनों इस सीजन में वापस आएं, इसलिए हम इस नतीजे से बहुत खुश हैं।

सीरी एः दो गोल से पिछड़ने से बावजूद इंटर मिलान ने उडीनीज को 5-3 से हराया

एजेंसी

मिलान । इंटर मिलान ने उडीनीज के खिलाफ 2-0 से पीछे होने के बावजूद जोरदार वापसी करते हुए 5-3 से जीत हासिल की। मिलान के लिए कार्लोस ऑगस्टो, बरेला, थुरम, एस्पोसिटो और बोनी ने गोल किए। उडीनीज ने तेज शुरूआत करते हुए पहले 16 मिनट में दो गोल की बढ़त बना ली, लेकिन कार्लोस ऑगस्टो के बाएं पैर से किए गए शानदार गोल और बरेला के दाएं पैर से किए गए गोल ने इंटर को हाफ-टाइम से पहले बराबरी दिला दी। दूसरे हाफ में, नेराजुरी ने थुरम के जरिए कमबैक किया और फिर पियो एस्पोसिटो, जिन्होंने एक शानदार मूव बनाया, और बोनी के साथ आगे निकल गए। उडीनीज ने देर से गुये के जरिए एक और गोल किया, लेकिन इंटर ने सैन सिरो में 5-3 से जीत हासिल की।

मैच से पहले, एक खास बात यह रही कि इंटर के इतिहास के दो यादगार चैंपियन, ग्यूसेप बर्गोमी और लोथर मैथॉस को प्रेसिडेंट और सीईओ ग्यूसेप मारोटा ने मेजा के मैदान पर नेराजुरी के रंगों में उनके शानदार करियर के लिए सम्मानित किया। जीत के साथ, इटैलियन चैंपियन ने सीरी ए सीजन में अपनी शानदार शुरुआत जारी रखी और स्टेडियो ओलंपिको में अपने अगले विरोधी रोमा के साथ सबसे ज्यादा पॉइंट्स के साथ टेबल में टॉप पर बने हुए हैं। जीत के बाद इंटर मिलान के कोच क्रिस्टियन चिवु ने कहा, 'ये हमारी ताकत हैं। हमारे पास एक ऐसी टीम है जो हमें एक खास तरीके से खेलने, हाई लेवल बनाए रखने और टीम की पहचान और डीएनए के प्रति सच्चे रहने की इजाजत देती है।

'विमेंस एशिया कप के साथ भारत ने 'एशियन गेम्स' के लिए भी बेहतरीन तैयारी की'

'ऐसा नहीं है कि खिलाड़ियों का कोई अलग फैसला हो और बीसीसीआई का अलग।'

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने रविवार को दुबई में खेले गए 'विमेंस एशिया कप 2026' के फाइनल में श्रीलंका को 72 रन से रौंदकर रिकॉर्ड 8वीं बार खिताब जीता। 'विमेन इन ब्लू' के प्रदर्शन से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष देवजीत सैकिया बहुत खुश हैं। उनका मानना है कि इस टूर्नामेंट के साथ भारत ने एशियन गेम्स की शानदार तैयारी की है। सैकिया ने पत्रकारों से कहा, 'भारतीय महिला टीम ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। भारत के सभी मैच एकतरफा रहे हैं। एशिया कप के साथ भारतीय टीम ने एशियन गेम्स 2026 के लिए भी बेहतरीन तैयारी की है। मैं टीम और सपोर्ट स्टाफ को बधाई देता हूं। हमारी यही कोशिश रहेगी कि जीत के इस सिलसिले को जापान (एशियन गेम्स) तक ले जाएं।' सैकिया ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सफलता का श्रेय बोर्ड के पूर्व सचिव जय शाह को देते हुए कहा, 'जय शाह ने महिला क्रिकेट को बढ़ावा दिया है। आज के दौर में भारतीय महिला टीम हर टूर्नामेंट में

चैंपियन बनने लगी है, इसका श्रेय जय शाह को जाता है। भारतीय टीम ने इंग्लैंड को उसकी सरजमीं पर मात दी। जब जय शाह बीसीसीआई के सचिव थे, उस समय विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) शुरू किया। इसके साथ ही समान वेतन को लाया गया। इन महत्वपूर्ण फैसलों का असर खिलाड़ियों के प्रदर्शन में नजर आता है। ' खिताब जीतने के बाद भारतीय महिला टीम ने एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के हाथों ट्रॉफी नहीं ली। इस मामले पर देवजीत सैकिया ने कहा, 'टूर्नामेंट जीतना बहुत अच्छी बात है, जबकि ट्रॉफी नहीं लेना दूसरी बात है। ट्रॉफी नहीं लेकर हमने कोई विवाद पैदा नहीं किया है। हमने इसके बारे में पहले ही बता दिया था। पहलगाम हमले के बाद जो कुछ हुआ, सभी को मालूम है। उस समय हमने अपनी बात साफ तौर पर रख दी थी और अपने रुख पर कायम रहे। हमने पहले ही बता दिया था कि पुरस्कार वितरण का जो तरीका तय किया गया था, वह हमें पसंद नहीं था। हमने उनके चेयरमैन को भी पहले से बता दिया था कि अगर पुरस्कार उसी तरीके से दिए जाएंगे, तो हम उसमें हिस्सा नहीं लेंगे। जब वे अपने फैसले पर कायम रहे, तो हमने भी ट्रॉफी नहीं ली।

रुमेश पथिरगे की हंगरी से श्रीलंका लौटते समय जैवलिन खराब हुई

सोशल मीडिया पर दी जानकारी

एजेंसी

नई दिल्ली । वर्ल्ड एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप जीतने के बाद श्रीलंका के जैवलिन स्टार रुमेश थरंगा पथिरगे को घर वापसी के समय एक बुरा झटका लगा। हंगरी से लौटते समय पथिरगे की चार खास कॉम्पिटिशन जैवलिन खराब हो गईं। पथिरगे ने इंस्टाग्राम स्टोरी में अपने खराब जैवलिन की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'बैड लक '। एक अन्य स्टोरी में पथिरगे ने एयरलाइंस की भी आलोचना की और टूटे हुए हीट इमोजी के साथ 'थैंक यू टर्किश एयरलाइंस' लिखा। श्रीलंका के न्यूजवायर के मुताबिक, इस घटना को लेकर एयरलाइन में शिकायत दर्ज कराई गई है। पथिरगे ने कहा, 'मैंने 90 से ज्यादा थ्रो के लिए जिन तीन जैवलिन का इस्तेमाल किया, वे खराब हो गए हैं। हो सकता है कि यह एयरलाइन की

गलती हो, लेकिन ऐसा ही होता है। यह कोई बड़ी बात नहीं है। मैं आगे बढ़ूंगा। ' पथिरगे ने रविवार को बुडापेस्ट में वर्ल्ड एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप में पुरुषों की जैवलिन थ्रो में 91.09 मीटर फेंककर शानदार सीजन जीता।

इस सीजन में यह तीसरा मौका था, जब पथिरगे ने 90 मीटर का आंकड़ा पार किया। इससे पहले उन्होंने जून में रोम में 92.62 मीटर का श्रीलंकाई नेशनल रिकॉर्ड बनाया, और पिछले महीने ज्यूरिख डायमंड लीग जीतने के लिए 92.07 मीटर दूर जैवलिन फेंका था।

पथिरगे इस साल जैलविन प्रतियोगिताओं में छाए रहे हैं। उन्होंने अपने 12 कॉम्पिटिशन में से 11 जीते हैं। उनकी हालिया जीत ने इस शानदार सीजन में एक खिताब का इजाफा किया है। पथिरगे ने इस साल कॉमनवेल्थ गेम्स, डायमंड लीग सर्किट में रोम, दोहा, लॉजेन और ज्यूरिख में जीत के साथ अपना दबदबा बनाया।

सैंडपेपर गेट विवाद के बाद दक्षिण अफ्रीका में पहली बार टेस्ट सीरीज खेलेगी ऑस्ट्रेलिया

कप्तान पैट कमिंस ने कहा- मुश्किल होगी

एजेंसी

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया का 3 वनडे और 3 टेस्ट मैचों का दक्षिण अफ्रीका दौरा 24 सितंबर से शुरू हो रहा है। 2018 में हुए सैंडपेपर गेट विवाद के बाद ऑस्ट्रेलिया पहली बार टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा कर रही है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस का मानना है कि सैंडपेपर की वजह से दौरे पर ऑस्ट्रेलिया को थोड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। कमिंस ने कीपिन इट क्रिकेट पॉडकास्ट के दौरान कहा, 'टेस्ट सीरीज के दौरान थोड़ी दुश्मनी हो सकती है। लेकिन यह एशेज सीरीज से ज्यादा शोरगुल वाला नहीं हो सकता। बर्मिंघम, एजबेस्टन का हॉलीज स्टैंड, वह बहुत शोरगुल वाला हो जाता है।' दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट खेलने के अनुभव पर कमिंस ने कहा, 'जब से मैं दक्षिण अफ्रीका गया हूं, भीड़ के कुछ हिस्से ऐसे होते हैं जो अटक जाते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि हमने यह सब पहले भी देखा है। सबसे जरूरी बात, मैं कैप्टन हूं, इसलिए मैं बीच में हूं, मैं दर्शकों के पास नहीं रहूंगा।

कमिंस ने कहा, 'मेरा मानना है कि अब तक वह मामला शांत हो गया होगा। हमार फोकस क्रिकेट पर रहेगा। ' ऑस्ट्रेलिया के कप्तान ने कहा, 'हर कोई आगे बढ़ जाता है। अच्छी बात यह है कि तीन टेस्ट में, आप क्रिकेट में फंस जाते हैं, और हर कोई बहुत जल्दी क्रिकेट के बारे में चिंता करने लगता है। मुझे यकीन है कि भीड़ में कुछ गुस्सैल लोग होंगे, और कुछ आर्टिकल या मीडिया में ऐसी बातें सामने आएंगी। लेकिन हमारा ग्रुप आगे बढ़ गया है। ' 2018 में बॉल-टैम्परिंग के मुद्दे ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को बहुत मुश्किल में डाल दिया था। विवादके बाद स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर जैसे खिलाड़ियों पर एक साल और कैमरन बैनक्रॉफ्ट पर नौ महीने का बैन लगा था।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिहाज से ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दोनों ही टीमों के लिए यह सीरीज बेहद अहम है। ये टेस्ट सीरीज बेहद रोमांचक होने वाली है और दुनियाभर के क्रिकेट फैंस की इस पर नजर रहेगी।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान का भारत दौरा सरकार की मंजूरी पर निर्भर: पीएचएफ

एजेंसी

नई दिल्ली । पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन (पीएचएफ) के प्रमुख मोहिउद्दीन अहमद वानी ने कहा है कि अगले महीने होने वाली हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान का भारत दौरा सरकार की मंजूरी पर निर्भर है। मेन्स एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में होनी है। इसमें भारत, चीन, जापान, मलेशिया और कोरिया के साथ ही पाकिस्तान को भी हिस्सा लेना है। पाकिस्तान के नहीं आने की स्थिति में ओमान या बांग्लादेश को मौका दिया जा सकता है। दोनों टीमों को फिलहाल रिजर्व टीम के रूप में रखा गया है। पाकिस्तान के दैनिक अंग्रेजी समाचार पत्र 'डॉन' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, वानी ने कहा, 'पाकिस्तान टीम का दौरा सरकारी मंजूरी पर निर्भर करेगा। सरकार हमसे जो भी करने को कहेगी, हम वही करेंगे। 'पंजाब के मुख्यमंत्री

भगवंत मान ने कहा कि पाकिस्तान अगले महीने टूर्नामेंट के लिए भारत आएगा। मल्टी-नेशनल टूर्नामेंट में कोई दिक्कत नहीं है। भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज नहीं हो सकती। उन्होंने केंद्र सरकार की नीति का जिक्र करते हुए बताया कि भारत और पाकिस्तान मल्टीनेशनल इवेंट्स में हिस्सा ले सकते हैं। 5 मई को जारी एक ऑफिस मेमोरेंडम में, खेल मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तानी खिलाड़ी और टीमें भारत द्वारा आयोजित बहुराष्ट्रीय इवेंट्स में हिस्सा ले सकेंगी, साथ ही एथलीट्स, अधिकारी और इंटरनेशनल फेडरेशन के प्रतिनिधियों के लिए ज्यादा सपोर्टिव वीजा सिस्टम का भी संकेत दिया। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का लीग स्टेज 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक जालंधर में खेला जाएगा, जबकि सेमीफाइनल 4 नवंबर को और फाइनल 5 नवंबर को खेला जाएगा। भारत-पाकिस्तान का मैच 1 नवंबर को पंजाब डे पर जालंधर में प्रस्तावित है।पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा, '1 नवंबर को जालंधर में होने वाला भारत-पाकिस्तान का मैच टूर्नामेंट का सबसे बड़ा आकर्षण होगा। यह मैच पंजाब डे के साथ होगा, जिससे यह मौका पंजाब के लोगों के लिए और भी खास हो जाएगा। हॉकी के मैदान पर इंडिया और पाकिस्तान के बीच भले ही मुकाबला हो, लेकिन खेल की अपनी भाषा होती है। '

फॉर्म की तलाश में बाबर आजम घरेलू क्रिकेट में लौटे

ओजीडीसीएल के लिए प्रथम श्रेणी मैच खेलेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के टेस्ट फॉर्मेट के कप्तान बाबर आजम लंबे समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। बाबर ने न सिर्फ टेस्ट बल्कि वनडे और टी20 में भी अपनी बल्लेबाज से निराश किया है। हाल ही में इंग्लैंड में संपन्न टेस्ट सीरीज में भी बाबर का प्रदर्शन साधारण रहा। खराब फॉर्म से बाहर निकलने के लिए बाबर आजम ने अब घरेलू क्रिकेट का रुख किया है। आजम 2019 के बाद पहली बार घरेलू रेड बॉल क्रिकेट में वापसी करने जा रहे हैं। वह ऑयल एंड गैस डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (ओजीडीसीएल) के लिए चल रहे प्रेसिडेंट्स ट्रॉफी ग्रेड 1 फर्स्ट-क्लास टूर्नामेंट में खेलेंगे। विभाग ने उन्हें गेस्ट प्लेयर के तौर पर साइन किया है। बाबर ने आखिरी बार दिसंबर 2019 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेली थी। ओजीडीसीएल

के स्पोर्ट्स हेड फराह के हवाले से कहा गया, 'बाबर 16 सितंबर को यूके से पाकिस्तान वापस आएंगे और अगले दिन ओजीडीसीएल स्क्वॉड में शामिल होंगे। उनकी किट का ऑर्डर दे दिया गया है। बाबर आने पर तय करेंगे कि वह दूसरे मैच से खेलेंगे या तीसरे मैच से। ' बाबर की लंबे समय से घरेलू रेड-बॉल क्रिकेट से दूरी बनाने के लिए आलोचना हो रही है। बाबर ने अपना आखिरी टेस्ट शतक दिसंबर 2022 में कराची में न्यूजीलैंड के खिलाफ 161 रन की पारी खेली थी। बाबर आजम के अलावा टेस्ट टीम से बाहर चल रहे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी और बल्लेबाज सलमान अली आगा भी प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेल रहे हैं। शाहीन शाह अफरीदी केआरएल और सलमान अली आगा किंग्समेन एकेडमी के लिए खेल रहे हैं। सलमान आगा ने हाल ही में प्रथम श्रेणी में तिहरा शतक लगाया था। इंग्लैंड के खिलाफ 3 टेस्ट मैचों की सीरीज 3-0 गंवाने वाली पाकिस्तान टीम का लंबे समय से टेस्ट फॉर्मेट में खराब प्रदर्शन रहा है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप टेबल में पाकिस्तान फिलहाल सबसे नीचे है।

गीता रानी: कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने वाली एथलीट के करियर पर विवाद ने लगाया ब्रेक

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय एथलेटिक्स की दुनिया में गीता रानी का नाम बेहद जाना-पहचाना है। गीता देश की एक सफल वेटलिफ्टर रही हैं और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पदक जीतकर उन्होंने देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने भारतीय वेटलिफ्टिंग को एक नई पहचान दिलाई है। गीता रानी का जन्म 16 सितंबर 1981 को संगरूर, पंजाब में हुआ था। उनके मन में वेटलिफ्टिंग के प्रति गहरी रुचि बहुत कम उम्र से थी। यही वजह रही उन्होंने खेल की इस विधा में कुछ बड़ा करने का फैसला किया था। गीता ने महज 13 वर्ष की उम्र में सुरिंदर सिंह से कोचिंग लेनी शुरू की। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गीता ने अपनी क्षमता और ताकत का एहसास पहली बार 2003 में एफ्रो-एशियन गेम्स में कराया था। हैदराबाद में आयोजित इस खेल में उन्होंने कांस्य पदक जीता था।

इसके बाद उन्होंने 2004 में एशियन चैंपियनशिप में तीन रजत पदक अपने नाम किए।

गीता ने मेलबर्न में 2006 में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स में 75+ भारवर्ग में हिस्सा लिया था और स्वर्ण पदक जीता था। खेल के इतने बड़े मंच पर गीता की स्वर्णिम सफलता ने उन्हें देश-विदेश में बड़ी लोकप्रियता दिलाई। दिल्ली में 2010 में आयोजित कॉमनमवेल्थ गेम्स में गीता पदक जीतने से चूक गई थीं और चौथे स्थान पर रही थीं।

भारत की इस दिग्गज वेटलिफ्टर का करियर विवादों से भी प्रभावित रहा है। वर्ष 2015 में राष्ट्रीय खेलों के दौरान वह एक प्रतिबंधित पदार्थ के लिए डोप टेस्ट में पॉजिटिव पाई गई थीं। इसके बाद उन पर दो साल का प्रतिबंध लगाया गया था। हालांकि, 2017 में उन्हें प्रतिबंधों से मुक्त कर दिया गया, लेकिन उसके बाद से वह कभी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में नजर नहीं आई हैं। दिग्गज वेटलिफ्टर ने फिलहाल आधिकारिक रूप से खेल को अलविदा नहीं कहा है।

वेटलिफ्टिंग में शानदार योगदान के लिए भारत सरकार ने 2006 में गीता रानी को 'अर्जुन पुरस्कार' से सम्मानित किया था।

मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम को लेकर स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने निगमायुक्त को लिखा पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम एवं नियंत्रण को लेकर स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने निगमायुक्त को पत्र लिखकर आवश्यक एवं सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की। सत्या शर्मा ने कहा कि सितंबर माह में रुक-रुक कर हो रही बारिश के दौरान खाली पड़े बर्तनों, गमलों, बाल्टियों तथा अन्य स्थानों पर पानी जमा होने की संभावना बढ़ जाती है, जो मच्छरों के प्रजनन का कारण बन सकता है। इसलिए ऐसे संभावित मच्छर प्रजनन स्थलों की नियमित जांच एवं रोकथाम पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है। सत्या शर्मा ने निगमायुक्त से कहा कि जनहित एवं नागरिकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए निगम के सभी संबंधित अधिकारियों को मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए सख्त एवं समयबद्ध निर्देश जारी किए जाएं। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से यह निर्देश दिए जाए कि सभी 12 जोनों में मच्छर प्रजनन स्थलों की नियमित जांच कर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित हो। जलभराव वाले क्षेत्रों, संवेदनशील स्थानों एवं हॉटस्पॉट क्षेत्रों में नियमित फॉगिंग तथा एंटी-लार्वा गतिविधियों को तेज किया जाए।

मुख्यमंत्री ने मुनक नहर के छठ घाट निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मुनक नहर पर प्रेमबाड़ी पुल के पास चल रहे सफाई, सौंदर्यीकरण, प्रकाश व्यवस्था और भव्य छठ घाट के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा एवं संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सभी कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ तय समयसीमा में पूरा करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व से पहले मुनक नहर स्वच्छ, सुव्यवस्थित और श्रद्धालुओं की सुविधा के अनुरूप तैयार हो। मुख्यमंत्री ने कहा, 'जो नहर कभी उपेक्षा की तस्वीर थी, आज वही आस्था, व्यवस्था और विकास के नए स्वरूप में बदल रही है। यही 'विकास भी, विरासत भी' के हमारे संकल्प की पहचान है।'

अभाविप ने परीक्षा सुधारों को लेकर हाई पावर्ड टास्क फोर्स को भेजे सुझाव

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने देश की परीक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग को लेकर हाई पावर्ड टास्क फोर्स के अध्यक्ष नंदन नीलेकणि को अपने सुझाव भेजे हैं। अभाविप ने नीट सहित महत्वपूर्ण प्रतियोगी परीक्षाओं को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित, विश्वसनीय और विद्यार्थी हितैषी बनाने पर जोर दिया है। परीक्षा सुधारों को लेकर अभाविप ने पुणे, नागपुर, भोपाल, दिल्ली, चंडीगढ़ और दक्षिण बिहार में राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस आयोजित कर विद्यार्थियों और विषय विशेषज्ञों के साथ चर्चा की। इन चर्चाओं के आधार पर संगठन ने परीक्षा व्यवस्था में तत्काल, मध्यम अवधि और दीर्घकालिक सुधारों को लेकर एक व्यापक सुझाव-पत्र तैयार किया है। अभाविप ने महत्वपूर्ण प्रतियोगी परीक्षाओं को दो चरणों में आयोजित करने का सुझाव दिया है। पहले चरण में अभ्यर्थियों की शॉर्टलिस्टिंग और दूसरे चरण में अंतिम चयन के लिए परीक्षा कराने की बात कही गई है। संगठन का कहना है कि इससे एक ही परीक्षा पर अत्यधिक निर्भरता कम होगी और चयन प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित एवं पारदर्शी बन सकेगी।

अवैध निर्माण पर सख्त कार्रवाई और आवारा पशुओं के प्रबंधन के दिए निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए है। उन्होंने लोक निवास में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) कमिश्नर संजीव खिरवार से मुलाकात की।

इस दौरान उन्होंने राजधानी में चल रहे कामों की समीक्षा की। उपराज्यपाल ने दिल्ली में समय पर कूड़ा उठाना, सड़कों की सफाई, जल-जमाव की समस्या से निपटना, आवारा पशुओं का प्रबंधन और अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए निर्देश दिए है। उन्होंने सड़कों के बार-बार टूटने और आने-जाने वालों को होने वाली परेशानी को रोकने के लिए, सड़क खोदने वाली और सड़क की देखरेख करने वाली एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल की जरूरत पर जोर दिया। उपराज्यपाल ने संबंधित विभागों को जमीनी स्तर पर काम करने और जवाबदेही तय सुनिश्चित करने पर जोर दिया है।

मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित सार्वजनिक शौचालय परिसर जनता को किया समर्पित किया

इसमें पुरुषों, महिलाओं और दिव्यांगजनों के लिए 3 अलग-अलग यूनिट्स हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग के सिंगलपुर गांव के लेबर चौक पर नवनिर्मित सार्वजनिक शौचालय परिसर (जन सुविधा परिसर) जनता को समर्पित किया। इस अवसर पर दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा, जिला अध्यक्ष अजय खटाना, निगम पार्षद अमित नागपाल, अनीता जैन मौजूद रही। उन्होंने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस सार्वजनिक शौचालय में दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखा गया है और उनकी सुविधा के लिए केयरटेकर की व्यवस्था भी की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार स्वच्छ, सुगम और आधुनिक

सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने आधुनिक सार्वजनिक शौचालय जनता को समर्पित किया और इस 1,000 आधुनिक सार्वजनिक शौचालय बनाने के लक्ष्य में से आज पहला जन सुविधा परिसर सफलतापूर्वक पूरा कर जनता को समर्पित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में साफ-सुथरे आधुनिक की कमी को दूर करने के लिए दिल्ली पर्यटन को सड़कों और बाजारों में 1,000 शौचालय परिसर बनाने का लक्ष्य दिया गया है। इसमें पुरुषों, महिलाओं और दिव्यांगजनों के लिए 3 अलग-अलग यूनिट्स हैं, साथ ही महिलाओं के लिए सैनिटरी नैपकिन की भी व्यवस्था है। 24 घंटे केयरटेकर, हर 20 परिसरों पर एक सुपरवाइजर और आधुनिक सफाई मशीनों के साथ इसका रख-रखाव सीधे सरकार करेगी। दिल्ली वासियों और आने वाले पर्यटकों के लिए यह सुविधा पूरी तरह निःशुल्क रहेगी।

राष्ट्रीय राजमार्गों पर मदद के लिए 1033 हेल्पलाइन को अत्याधुनिक बनाया जाएगा

इसके लिए सॉफ्टवेयर विकास, डिजिटल मंच, चौबीसों घंटे कॉल सेंटर संचालन और आपातकालीन प्रतिक्रिया सेवाओं का अनुभव रखने वाली कंपनियों को आमंत्रित किया गया है।

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्रियों को बेहतर और तेज सहायता उपलब्ध कराने के लिए 1033 हेल्पलाइन को नई तकनीक से लैस करने जा रहा है। उन्नत प्रणाली में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रियल टाइम लोकेशन ट्रैकिंग और स्मार्ट आपातकालीन प्रतिक्रिया जैसी सुविधाएं जोड़ी जाएंगी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत हेल्पलाइन कॉल करने वाले की लोकेशन की पहचान कर सकेगी, विभिन्न भारतीय भाषाओं में बातचीत समझ सकेगी और जरूरत के अनुसार तेजी से सहायता उपलब्ध कराएगी। हालांकि आपातकालीन स्थितियों में मानव ऑपरेटर की भूमिका पहले की तरह बनी रहेगी। मंत्रालय के अनुसार 1033 हेल्पलाइन वर्ष 2018 से संचालित है और चौबीसों घंटे उपलब्ध रहती है। इसके माध्यम से चिकित्सकीय आपात स्थिति, वाहन खराब होने, एम्बुलेंस, क्रेन और पेट्रोलिंग वाहन की सहायता, टोल प्लाजा और फास्टैग संबंधी शिकायतों समेत राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्रियों की विभिन्न समस्याओं का समाधान किया जाता है। वर्तमान में यह हेल्पलाइन 1.46 लाख किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क को कवर करती है और रोजाना लगभग 15 हजार कॉल प्राप्त करती है। नई प्रणाली में सहायता पहुंचाने की प्रक्रिया को और तेज किया

जाएगा। इसके अलावा कॉलर की लोकेशन की स्वतः पहचान, विभिन्न भारतीय भाषाओं में एआई आधारित सहायता, जरूरत के अनुसार एम्बुलेंस या अन्य संसाधनों की त्वरित तैनाती, यात्रियों को समय पर अलर्ट और आपातकालीन सेवाओं के बीच बेहतर समन्वय जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। एनएचएआई की प्रवर्तित कंपनी भारतीय राजमार्ग प्रबंधन कंपनी लिमिटेड (आईएचएमसीएल) ने अगली पीढ़ी की 1033 हेल्पलाइन और कॉल सेंटर के विकास, संचालन और रखरखाव के लिए इच्छुक कंपनियों से आवेदन मांगे हैं।

राज्यसभा सचिवालय के तत्वावधान में हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली। हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्यसभा सचिवालय के तत्वावधान में आयोजित हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ हुआ। 28 सितंबर तक चलने वाले हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ हिंदी निबंध एवं सामान्य हिंदी ज्ञान प्रतियोगिता, हिंदी अनुवाद एवं सामान्य हिंदी ज्ञान प्रतियोगिता के आयोजन के साथ हुआ। इन प्रतियोगिताओं में सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा हिंदी के प्रति अपनी रुचि और अनुराग का परिचय दिया।

पखवाड़े के आगामी कार्यक्रमों के अंतर्गत कम्प्यूटर पर हिंदी टंकण प्रतियोगिता, सुलेख एवं शुद्ध लेखन प्रतियोगिता, हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता तथा हिंदी काव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इनके माध्यम से प्रतिभागियों को हिंदी भाषा के विभिन्न आयामों में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ राजभाषा हिंदी के प्रति अपने जुड़ाव को अभिव्यक्त करने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर संयुक्त सचिव (संपादन एवं अनुवाद) महेन्द्र सिंह ने सचिवालय के कार्यालयी कामकाज में हिंदी के

प्रयोग में हो रही बढ़ोतरी की सराहना करते हुए कहा कि हिंदी पखवाड़ा केवल प्रतियोगिताओं के आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कार्यालयी कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए अनुकूल वातावरण निर्मित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने सचिवालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आह्वान किया कि वे हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर हिंदी के प्रति अपने लगाव तथा राजभाषा के प्रति अपने सम्मान को अभिव्यक्त करें। हिंदी पखवाड़े का समापन पुरस्कार वितरण समारोह तथा राज्य सभा सचिवालय की वार्षिक गृह पत्रिका 'नूतन प्रतिबिंब' के 21वें अंक के लोकार्पण के साथ किया जाएगा।

गुरुग्राम हिट एंड रन केस में बड़ा एक्शन, आरोपी कल्याण बैंसला दौसा से गिरफ्तार

एजेंसी

गुरुग्राम। गोल्फ कोर्स रोड पर महिला बाइक राइडर को कार से टक्कर मारकर फरार होने के मामले में गुरुग्राम पुलिस ने आरोपी कल्याण बैंसला को राजस्थान के दौसा से गिरफ्तार कर लिया है। हादसे का वीडियो बाइक पर लगे कैमरे में रिकॉर्ड हुआ था, जो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला सुर्खियों में आया। जांच आगे बढ़ने के साथ पुलिस ने केस में BNS की धारा 109 (हत्या के प्रयास) भी जोड़ दी है।

CCTV फुटेज से जांच में मिली अहम जानकारी

पुलिस के अनुसार, वीडियो वायरल होने के बाद सेक्टर-56 थाने में मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली। वीडियो और CCTV समेत सामने आए अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने मामले में धारा 109 BNS जोड़ी और आरोपी की तलाश शुरू की। इसी जांच के दौरान कल्याण बैंसला को दौसा से गिरफ्तार किया गया। पीड़ित बाइक राइडर सिया के अनुसार, वह रविवार सुबह अपनी अप्रिलिया RS 457 बाइक से कुछ अन्य बाइक सवारों के साथ गोल्फ कोर्स रोड से गुजर रही थीं। उनका आरोप है कि इसी दौरान एक कार उनके पीछे आई और उसमें सवार लोगों ने उनके साथ कथित तौर पर बदसलूकी की। सिया ने दावा किया कि कार कुछ दूरी तक उनका पीछा भी करती रही।

सिया के मुताबिक, वह ट्रैफिक के कारण तीसरी लेन में सामान्य गति से बाइक चला रही थीं। तभी पीछे से आई कार तेज रफ्तार में उसी लेन में पहुंची और उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

टक्कर के बाद कई मीटर तक घिसटी बाइक

कार की टक्कर लगते ही सिया बाइक समेत सड़क पर गिर गईं और कई मीटर तक सड़क पर घिसटती चली गईं। बाइक में लगे फ्रंट कैमरे में पूरा घटनाक्रम रिकॉर्ड हो गया। हादसे के बाद सिया ने घटना का वीडियो और कार से संबंधित जानकारी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की, जिसके बाद वीडियो तेजी से वायरल हो गया।

सिया का कहना है कि उनके साथ मौजूद एक अन्य बाइक सवार ने कार चालक को रोकने की कोशिश की। आरोप है कि चालक ने रुकने और अपनी गलती स्वीकार करने के बजाय बाइक सवारों को ही घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया।

लाल बत्ती तोड़कर भागने का आरोप

पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि टक्कर के बाद कार चालक मौके पर नहीं रुका और लाल बत्ती पार कर वहां से फरार हो गया। सिया ने दावा किया कि कार में मौजूद लोग नशे में नजर आ रहे थे। हादसे में उन्हें मामूली चोटें आईं।

पीड़िता के घर भी पहुंची पुलिस

गुरुग्राम पुलिस मामले की जांच को आगे बढ़ाते हुए पीड़ित महिला के कालकाजी स्थित घर भी पहुंची थी। पुलिस का कहना है कि CCTV फुटेज, वायरल वीडियो और अन्य साक्ष्यों की मदद से मामले से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस घटना से जुड़े अन्य पहलुओं को भी खंगाल रही है। पुलिस ने कहा है कि मामले में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी और कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाया जाएगा।

भाजपा नशे व गैंगस्टरवाद के खिलाफ पंजाब में निकालेगी चार यात्राएं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पंजाब के युवाओं को नशे की लत से मुक्त कराने के लिए नशे और गैंगस्टरवाद के खिलाफ अभियान को तेज करने का फैसला किया है। भाजपा 18 सितंबर से नशा मुक्ति अभियान की शुरुआत करेगी।भाजपा के केंद्रीय मुख्यालय के प्रभारी एवं सांसद तरुण चुग ने पत्रकारों को बताया कि पार्टी लगातार नशे, रंगदारी और गैंगस्टरों के राजनीतिकरण के खिलाफ आवाज उठाती रही है। अब राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में पंजाब में चार यात्राएं निकाली जाएंगी। इन यात्राओं की शुरुआत अलग-अलग स्थानों से होगी।

उन्होंने बताया कि 18 सितंबर को पठानकोट से यात्रा का शुभारंभ भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन करेंगे। 19 सितंबर को फतेहगढ़ साहिब से निकलने वाली यात्रा का शुभारंभ दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता करेंगी। इसी क्रम में 20 सितंबर को फाजिल्का से यात्रा शुरू होगी, जिसका नेतृत्व केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल करेंगे। वहीं 21 सितंबर को बठिंडा से यात्रा का शुभारंभ केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे। चारों यात्राओं के जरिए पंजाब में नशे के खिलाफ जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि साथ ही रंगदारी और गैंगस्टरवाद के खिलाफ लोगों को जागरूक कर उन्हें इस लड़ाई में सक्रिय भागीदारी के लिए तैयार किया जाएगा। इन यात्राओं का उद्देश्य पंजाब को नशामुक्त और भयमुक्त बनाने के संकल्प को मजबूत करना है।

दिल्ली में 500 आधुनिक सार्वजनिक शौचालय ब्लॉक के लिए ईएफसी ने स्वीकृत किए 266.26 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में पहले चरण में 500 सार्वजनिक शौचालय ब्लॉक बनाने का निर्णय लिया है। इनका निर्माण दिल्ली सरकार के पर्यटन विभाग के माध्यम से किया जाएगा। पहले चरण के सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद शेष 500 सार्वजनिक शौचालय ब्लॉक दूसरे चरण में बनाए जाएंगे। इस योजना के लिए सरकार की व्यय वित्त समिति (ईएफसी) ने 266.26 करोड़ रुपये स्वीकृत कर दिए हैं। यह जानकारी एक विज्ञप्ति के जरिए दी गई।

विज्ञप्ति के मुताबिक, दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी) की इस परियोजना में भूमिका इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पर्यटन से जुड़ी सुविधाओं को विकसित करने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण की आवश्यकता है। राजधानी के प्रमुख पर्यटन स्थलों, विरासत क्षेत्रों, बाजारों, प्रमुख मार्गों और पर्यटक आवागमन वाले क्षेत्रों में आधुनिक सार्वजनिक सुविधाओं का विकास

दिल्ली को पर्यटकों के लिए अधिक सुविधाजनक और आकर्षक बनाने में मदद करेगा। इन सार्वजनिक शौचालय ब्लॉकों में पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग शौचालयों के साथ दिव्यांगजनों सहित सभी लोगों के सुगम उपयोग के लिए रैंप की व्यवस्था होगी। प्रत्येक शौचालय ब्लॉक में केयरटेकर रूम और चौकीदार के लिए भी स्थान होगा। नागरिकों और पर्यटकों की दैनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक दुकान का प्रावधान किया गया है, जहां स्नैक्स, पेय पदार्थ और दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुएं उपलब्ध होंगी। महिलाओं की सुविधा के लिए सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन और इस्तेमाल किए गए सैनिटरी पैड के उचित निपटान के लिए सैनिटरी पैड इनसिनरेटर मशीन की व्यवस्था होगी। प्रस्तावित शौचालय ब्लॉकों में सोलर पैनल, सीसीटीवी और मैकेनिकल वेंटिलेशन सिस्टम जैसी आधुनिक सुविधाएं भी होंगी। नागरिकों और पर्यटकों को सूचना उपलब्ध कराने के लिए आउटडोर-टाइप वीडियो वॉल डिस्प्ले बोर्ड लगाया जाएगा। परियोजना में भवन निर्माण के साथ बागवानी और फर्नीचर संबंधी कार्य भी शामिल हैं। इनमें 200 टॉयलेट ब्लॉक्स मार्केट्स क्षेत्र में, 97 हाईवे पर, 57 कमर्शियल व इंडस्ट्रियल इलाकों में, 50 पर्यटन स्थलों के आसपास, 9 बड़े पार्कों आदि के पास स्थापित किए जाएंगे।

अगर क्षेत्रवार बात करें तो 93 टॉयलेट ब्लॉक्स दक्षिण पश्चिम क्षेत्र में, 90 उत्तर-पश्चिम, 72 पश्चिम क्षेत्र, 51 दक्षिण, 49 दक्षिण पूर्व, 40 नई दिल्ली, 39 मध्य दिल्ली आदि क्षेत्र में बनाए जाएंगे। निर्माण कार्य को 14 महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

कोटा में जनता ने राहुल गांधी के झूठे प्रचार को नकारा

भाजपा के पक्ष में दिया जनादेश : डॉ. सुधांशु त्रिवेदी

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि राजस्थान के 309 स्थानीय निकायों में हुए चुनावों के परिणामों में भारतीय जनता पार्टी शानदार विजय की ओर बढ़ रही है और 10 नगर निगमों में से 9 में भाजपा अपने सहयोगियों के साथ सरकार बनाने की स्थिति में है। केंद्रीय कार्यालय में मीडिया से बातचीत में डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा चुनाव 8 चरणों में कराने और जयपुर, जोधपुर व कोटा नगर निगमों को विभाजित करने की नीति को जनता ने नकार दिया, जबकि भाजपा सरकार ने 1 चरण में चुनाव कराए।

डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि राजस्थान में स्थानीय निकायों के चुनाव परिणाम सामने आए हैं। अभी तक प्राप्त निरंतर चुनाव परिणामों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी शानदार विजय की ओर आगे बढ़ रही है। राजस्थान में 10 नगर निगम, 47 नगर परिषद और 252 नगर पालिकाओं सहित कुल 309 स्थानों पर चुनाव हुए थे। वर्तमान स्थिति में 10 में से केवल एक नगर निगम में कांग्रेस आगे है, जबकि शेष सभी नगर निगमों में भारतीय जनता पार्टी

अपने सहयोगियों के साथ सरकार बनाने की स्थिति में है। कांग्रेस सरकार ने राजस्थान में स्थानीय निकायों के चुनाव के साथ जो खिलवाड़ किया था, जनता ने उसका मुंहतोड़ जवाब दिया है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि राजस्थान में स्थानीय निकायों के चुनाव 8 चरणों में कराए गए थे, जबकि भाजपा सरकार ने इन्हें 1 चरण में करवाया। जयपुर, जोधपुर और कोटा के नगर निगमों को विभाजित कर दिया गया था। इसके बावजूद भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में हुए मतदान से स्पष्ट है कि राजस्थान की जनता ने नगर निगमों को तोड़ने-मरोड़ने की नीति को पूरी तरह नकार दिया है। यह एक बार फिर दर्शाता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की जनता का विश्वास उत्तरोत्तर बढ़ता जा रहा है। साथ ही, राजस्थान की जनता ने मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा की सरकार के प्रति भी अपनी सकारात्मक स्वीकृति दी है। डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि कोटा, जहां राहुल गांधी ने जाकर झूठ की गूंज करने का प्रयास किया था, वहां भारतीय जनता पार्टी शानदार तरीके से जीतती हुई दिखाई पड़ रही है। यह कहीं न कहीं दर्शाता है कि कांग्रेस पार्टी की बातों में प्रचार ज्यादा और यथार्थ कम होता है। हमने एक साथ 'वन इलेक्शन, वन स्टेट' किया, जबकि कांग्रेस ने इतने चरणों में चुनाव करवाए और उसके बाद भी उसे सफलता नहीं मिली। अतः हम इन चुनाव परिणामों के लिए राजस्थान की जनता का आभार व्यक्त करते हैं और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देते हैं। हम भाजपा के संगठन, प्रदेश अध्यक्ष और सभी को साधुवाद देते हैं। डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि एक बार पुनः यह बात स्पष्ट हो जाती है कि पिछली बार जिन 6 जिलों - बूंदी, दौसा, हनुमानगढ़, करौली, धौलपुर और भरतपुर में भाजपा का किसी भी निकाय में एक भी बोर्ड नहीं बन पाया था, उन जिलों में भी इस बार भाजपा शानदार तरीके से आगे बढ़ रही है। अतः यह भाजपा की सामाजिक और भौगोलिक व्याप्ति की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने की मेगा रक्तदान शिविर की तैयारियों की समीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने दिल्ली सरकार के अलग-अलग विभागों के विभागाध्यक्षों और दिल्ली सरकार के विभिन्न अस्पतालों के एमडी/एमएस के साथ एक अहम बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर के अवसर पर आयोजित होने वाले मेगा रक्तदान शिविर की तैयारियों की समीक्षा की गई। इस मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन दिल्ली सरकार के दिल्ली स्टेट हेल्थ मिशन (डीएसएचएम) के द्वारा 17 सितंबर को त्यागराज स्टेडियम में किया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि रक्तदान सेवा के सबसे महान कार्यों में से एक है। इस मेगा रक्तदान शिविर के माध्यम से हम दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों, अस्पतालों और नागरिकों की सामूहिक शक्ति को एक मानवीय उद्देश्य के लिए एकजुट करना चाहते हैं। इस बैठक में स्वैच्छिक रूप से रक्तदान करने वाले सभी नागरिकों के लिए जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। विभागों से कहा गया है कि वे नागरिकों को रक्तदान अभियान में शामिल होने के लिए स्वैच्छिक रूप से प्रेरित और जागरूक करें और उनकी भागीदारी को सुगम बनाएं। इस कैंप में दिल्ली सरकार के 11 अस्पतालों के ब्लड बैंक अपना-अपना सहयोग देंगे, ये सभी अस्पताल जरूरी मेडिकल टीमें, उपकरण, कोल्ड-चेन सुविधाएं और कैंप में एकत्रित किए गए ब्लड यूनिट्स की सुरक्षित आवाजाही की समुचित व्यवस्था को सुनिश्चित करेंगे। इस बैठक में दिल्ली पुलिस, होम गार्ड्स और सिविल डिफेंस, एमसीडी, एनडीएमसी, डीटीसी, शिक्षा, उच्च शिक्षा, प्रशिक्षण और तकनीकी शिक्षा, दिल्ली फायर सर्विस, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, राजस्व विभाग, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी और अन्य संबंधित विभागों/एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ भाग लेने वाले सरकारी अस्पतालों के वरिष्ठ अधिकारी और प्रतिनिधि भी शामिल हुए। पंकज कुमार सिंह ने सभी संबंधित विभागों और एजेंसियों को रजिस्ट्रेशन, स्क्रीनिंग, रक्त संग्रह, मेडिकल सहायता, सुरक्षा, एंबुलेंस सेवाएं, स्वच्छता, यातायात प्रबंधन और अन्य जरूरी सुविधाओं के संबंध में सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि सभी नागरिक सुविधाजनक और सुरक्षित तरीके से रक्तदान शिविर में भाग ले सकें।